11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 112

जबलपुर, बुधवार 20 मई 2026

पृष्ठ संख्या : 8

मूल्य : 2 रुपए

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: आवारा कुत्तों पर सख्त आदेश बरकरार, बदलाव से इनकार, अवमानना कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने देश में आवारा कुत्तों को लेकर दिए गए अपने पिछले आदेश में किसी भी तरह के बदलाव से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश यथावत रहेगा और इसका कड़ाई से पालन किया जाना जरूरी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश का पालन न करने पर अवमानना (कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट) की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने मंगलवार को पशु अधिकार संगठनों और पशु प्रेमियों की ओर से दायर उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें पहले दिए गए आदेश में संशोधन की मांग की गई थी। सार्वजनिक स्थानों से हटेंगे आवारा कुत्ते, आश्रय गृहों में रखा जाएगा सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दोहराया कि स्कूल,

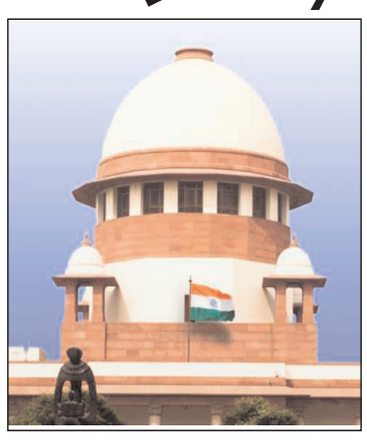

अस्पताल, खेल परिसर, बस अड्डे और रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों से पकड़े गए आवारा कुत्तों को अब आश्रय गृहों (शेल्टर होम) में रखा जाएगा और उन्हें वापस उसी स्थान पर नहीं छोड़ा जाएगा। अदालत ने कहा कि नसबंदी (स्टरलाइजेशन) के बाद भी इन कुत्तों को वहीं छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एनिमल वेलफेयर बोर्ड) द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को भी खारिज कर दिया। बच्चों और बुजुर्गों पर हमलों का किया उल्लेख सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में कुत्तों के काटने की घटनाओं में बढ़ोतरी चिंताजनक है। अदालत ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों पर हुए हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि कई मामलों में लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यहां तक कि विदेशी यात्रियों पर भी कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आई हैं। अदालत ने यह भी कहा कि कई राज्यों और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, लेकिन वे इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में विफल रहे हैं।

खतरनाक कुत्तों पर सख्ती, इच्छामृत्यु की अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कोई कुत्ता 'खतरनाक या पागल' पाया जाता है और मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है, तो उसके लिए इच्छामृत्यु (यूथेनेशिया) की अनुमति दी जा सकती है। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आवारा कुत्तों को केवल निर्धारित स्थानों पर ही भोजन दिया जा सकता है। सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक जारी रहेगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष नवंबर में ही आवारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाकर आश्रय गृहों में भेजने और तय स्थानों पर ही भोजन देने जैसे निर्देश जारी किए थे। इसके खिलाफ पशु अधिकार संगठनों ने कई याचिकाएं दाखिल की थीं, जिन्हें अब अदालत ने खारिज कर दिया है।

शराब पीने से रोका तो बेटे ने मां को डंडे से पीट पीटकर मार डाला, बीच-बचाव में नातिन भी घायल

रायगढ़, एजेंसी। जिले के धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चिकटवानी मुड़ाडीपा में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। शराब पीने से रोकने पर एक बेटे ने अपनी 70 वर्षीय मां की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

घटना में बीच-बचाव करने पहुंची 10 वर्षीय नातिन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार घर में बुजुर्ग महिला मेरीना लकड़ा खून से लथपथ हालत में मिलीं। उनके सिर, माथे और कान के पास गंभीर चोटों के निशान थे। वहीं उनकी नातिन अगोस्टिना लकड़ा भी सिर में चोट लगने के कारण बेहोश अवस्था में पाई गई। घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मेरीना लकड़ा को मृत घोषित कर दिया। घायल बच्ची का उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतका के बेटे संदीप लकड़ा (37) पर संदेह हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह ड्राइवरी का काम करता है और घटना के समय घर में अकेला था। शराब के नशे में होने के दौरान मां ने उसे पीने से रोका और डांट लगाई, जिससे वह गुस्से में आ गया। आरोप है कि इसी गुस्से में उसने घर में रखा लकड़ी का डंडा उठाकर मां पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची नातिन पर भी उसने हमला कर दिया। घायल बच्ची किसी तरह जान बचाकर पड़ोस के घर पहुंची, जिसके बाद घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा बरामद कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग इस निर्मम वारदात से स्तब्ध हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

क्रिकेट खेलते समय करंट की चपेट में आया 18 वर्षीय छात्र, मेधावी यश की दर्दनाक मौत से इलाके में मातम

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के भौंरा ऊपर बाजार इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया। घर के बरामदे में क्रिकेट खेल रहे 18 वर्षीय छात्र यश वर्णवाल की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। मृतक यश स्थानीय मेडिकल स्टोर संचालक विजय वर्णवाल का मंझला बेटा था। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब साढ़े बारह बजे यश अपने घर के बरामदे में अन्य बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान अचानक बरामदे में लगी बिजली की वायरिंग टूट गई और उसमें दौड़ रहा करंट वाला तार यश के हाथ में लिपट गया। शुरुआत में साथ खेल रहे बच्चों को घटना की गंभीरता समझ नहीं आई, लेकिन यश को तड़पता देख उन्होंने जोर-जोर से चीखना शुरू कर दिया। बच्चों की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत घर का मेन स्विच बंद किया। इसके बाद अचेत हालत में यश को इलाज के लिए टाटा जामाडोबा अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने धनबाद रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर धनबाद पहुंचे, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां और अन्य स्वजन का रो-रोकर बुरा

हाल है। यश पढ़ाई में बेहद होनहार छात्र माना जाता था। उसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और आगे की पढ़ाई के लिए तैयारी कर रहा था। परिवार के अनुसार, वह मंगलवार को ही धनबाद के एक कोचिंग संस्थान में दाखिला लेने जाने वाला था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि यश बेहद शांत, मिलनसार और प्रतिभाशाली छात्र था। उसकी असमय मौत ने पूरे भौंरा क्षेत्र को सदमे में डाल दिया है। हादसे के बाद इलाके में बिजली सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए, मैं जल्द लौटूंगी अपने देश

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की तारिक रहमान को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए। मैं जल्द अपने देश वापस लौटूंगी। यह कहना है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लगातार अपने देश और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिलहाल वो भारत में अपना समय बिता रहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि 17 मई 1981 उनके जीवन का बेहद भावुक दिन था, जब वह छह साल के निर्वासन के बाद भारत से बांग्लादेश लौटी थीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी उनके खिलाफ साजिशें हुई थीं, मुकदमे दर्ज किए गए थे और जान का खतरा था, लेकिन जनता के प्यार और समर्थन ने उन्हें वापस लौटने की ताकत दी। उन्होंने कहा कि इस बार उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली पर निर्भर करेगी। हसीना ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 बार हत्या की कोशिशों

से मैं बच चुकी हूं। जब तक अल्लाह ने मुझे जिंदा रखा है, मैं बहुत जल्द बांग्लादेश की धरती पर लौटूंगी। पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जिसे बंद किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है, आम लोगों की पार्टी है और इसे कागज पर लिखे प्रतिबंध से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता अवामी लीग से डरता है, क्योंकि अगर पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने दिया गया तो सरकार की 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां' उजागर हो जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को तोड़ने की साजिशें सफल नहीं होंगी और सुधार का फैसला पार्टी के आंतरिक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत ही होगा। रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने इंटरव्यू में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश फिर से 2001 से 2006 के उस दौर की ओर बढ़ सकता है, जब कट्टरपंथ और उग्रवादी ताकतें मजबूत हुई थीं। हसीना ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 'खामोश राजनीतिक नरसंहार' चलाया गया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी नेताओं के घरों और कारोबारों को निशाना बनाया गया और समर्थकों में डर का माहौल पैदा किया गया।

युवक को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप, एक ही परिवार के चार आरोपी गिरफ्तार

जशपुर, एजेंसी। जिले के बागबहार थाना क्षेत्र के ग्राम झारपारा में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। मामूली विवाद को लेकर एक युवक को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही इलाके में सनसनी फैल गई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक ही परिवार के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार पीड़ित जोगेंद्र बढ़ाई (50) और आरोपी परिवार के बीच लंबे समय से पड़ोसी विवाद चला आ रहा था। दोनों परिवारों के बीच आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर कहासुनी होती रहती थी। घटना 29 अप्रैल की बताई जा रही है। उस दिन जोगेंद्र अपने घर में लकड़ी का काम कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी नवीन बंजारा और दिनेश बंजारा वहां पहुंचे और कथित रूप से उन्हें 'पागल' कहकर अपमानित करने लगे। जब जोगेंद्र ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी पक्ष ने परिवार के अन्य सदस्यों को बुला लिया और सभी ने मिलकर जोगेंद्र पर हमला कर दिया। पहले उन्हें रस्सी से बांधा गया, फिर डंडों और लोहे की सरिया से बेरहमी से पीटा गया। मारपीट के दौरान युवक दर्द से चीखता-चिल्लाता रहा, लेकिन आरोपियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। घटना के दौरान गांव के ही एक व्यक्ति ने पूरी वारदात का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही इलाके में आक्रोश फैल गया और पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया। पीड़ित की शिकायत पर 11 मई को बागबहार थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू की और घटनास्थल से रस्सी, डंडा और लोहे की सरिया जब्त की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नवीन बंजारा (35), भगवती बंजारा (60), दिनेश बंजारा (42) और अंजुलता बंजारा (31) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामूली विवाद को लेकर इस

12वीं की टॉपर दीपिका नागर की संदिग्ध मौत से सनसनी, शरीर पर मिले 30 गहरे जख्म, दहेज हत्या का केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। 12वीं की टॉपर और बीएड पास मेधावी छात्रा दीपिका नागर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। शादी के महज डेढ़ साल बाद हुई इस घटना ने दहेज प्रताड़ना और महिला सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है। सेंट्रल जोन के डीसीपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर दहेज हत्या सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया गया। अंतिम संस्कार के दौरान भी किसी तरह का तनाव न हो, इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला और अधिक उलझ गया है। रिपोर्ट में दीपिका के शरीर पर 30 से अधिक गहरे घावों के निशान

मिलने की पुष्टि हुई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मौत हत्या के कारण हुई या आत्महत्या की वजह से। पुलिस ने मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा सुरक्षित रख जांच के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के समय ससुराल वालों ने दीपिका को अपने स्कूल में शिक्षिका बनाने का वादा किया था, लेकिन विवाह के बाद उसे घर से बाहर निकलने तक की अनुमति नहीं दी गई। परिजनों का कहना है कि लगातार दहेज की मांग को लेकर दीपिका को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। वहीं ससुराल पक्ष का दावा है कि दीपिका ने मकान की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है। लेकिन शरीर पर मिले गंभीर जख्मों ने मायके वालों के हत्या के आरोपों को और मजबूत कर दिया है। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश है। महिला उन्नति संस्थान की कानूनी सलाहकार एडवोकेट सीमा भाटी ने मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में हाल ही में निक्की भाटी और मोनिका नागर हत्याकांड जैसे चर्चित मामलों ने पहले ही लोगों को झकझोर रखा है। ऐसे में दीपिका नागर की मौत ने एक बार फिर महिला सुरक्षा और दहेज प्रताड़ना के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच में जुटी हुई है।

पूर्व आईआरजीसी कमांडर की अमेरिका को धमकी, ओमान सागर को उसका कब्रिस्तान बनाया जाएगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका को धमकी देकर कहा है कि अगर अमेरिकी नेवी ने घेराबंदी खत्म नहीं की, तब ओमान सागर को उसका कब्रिस्तान बना दिया जाएगा। तेहरान की एक्सपीडिएंसी काउंसिल के सदस्य और आईआरजीसी के पूर्व कमांडर मोहसेन रेजाई ने अमेरिका को जल्द से जल्द ईरानी बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाने को कहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना आगे के युद्ध के लिए तैयार है। रेजाई ने अमेरिका को सीधी चेतावनी देकर कहा, हम अमेरिकी सेना को सलाह देते हैं कि वह इस घेराबंदी को खत्म कर दे, इससे पहले कि ओमान सागर आपकी कब्रगाह बन जाए। पूर्व आईआरजीसी कमांडर ने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी घेराबंदी को युद्ध का कृत्य बताकर कहा कि इसका सामना करना तेहरान का अधिकार है। रेजाई ने कहा कि अमेरिका ईरान की नौसैनिक घेराबंदी को जितना लंबा खींचेगा, दुनिया भर के देशों को उतना ही ज्यादा नुकसान होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि रेजाई ने कहा कि इस गतिरोध को खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयास जारी हैं। उन्होंने जोर दिया कि वॉशिंगटन पर जिम्मेदारी है कि वह इस प्रयास को लेकर सच्ची मंशा साबित करे। रेजाई की चेतावनी तब आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी देकर कहा है कि उसके पास समय बहुत कम है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर तेजी से काम नहीं किया, तब वहां कुछ नहीं बचेगा। इसमें ईरान से संवर्धित यूरेनियम सौंपने, केवल एक परमाणु केंद्र को चालू रखने, हर्जाने की मांग छोड़ने और सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने को कहा गया है।

शहर काजी बोले- हम वहां नमाज पढ़ना जारी रखेंगे

भोजशाला के फैसले को सुप्रीम कर्ट में चुनौती देगा मुस्लिम पक्ष

धार। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने धार के विवादित भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर को लेकर शुक्रवार को अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने स्ट्रु की सौंपी रिपोर्ट को आधार मानते हुए साफ किया कि यह परिसर मूल रूप से देवी सरस्वती का मंदिर है। अदालत ने माना कि 11वीं सदी के इस स्मारक में संस्कृत शिक्षण केंद्र और मां वाग्देवी के मंदिर के साफ संकेत हैं। कोर्ट ने एएसआई के उस 21 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत मुसलमानों को हर शुक्रवार नमाज अदा करने की अनुमति थी।

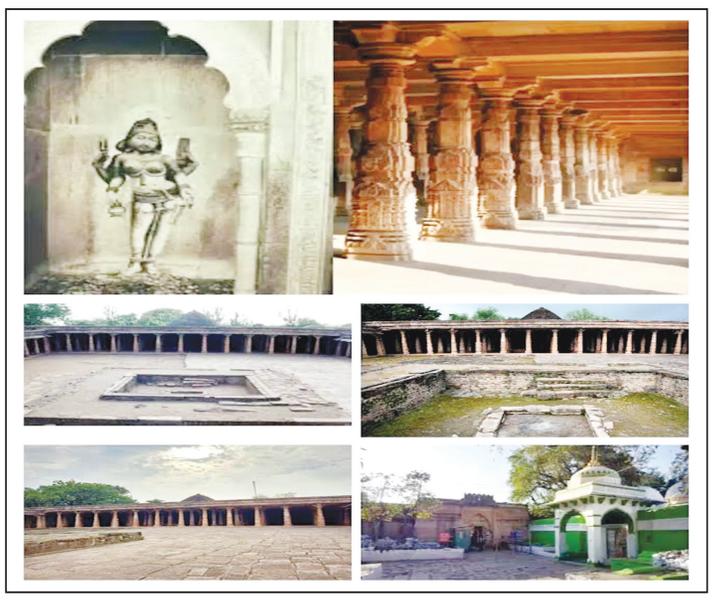

काजी ने बोला एकपक्षीय है रिपोर्ट

हाई कोर्ट के इस फैसले पर धार के शहर काजी वकार सादिक ने कड़ी आपत्ति जताई हुए कहा कि यह फैसला उन्हें स्वीकार्य नहीं है और वे इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि एएसआई ने सर्वेक्षण के दौरान मिले कई साक्ष्यों को नजरअंदाज किया और रिपोर्ट सिर्फ एक पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए तैयार की गई। काजी ने तर्क दिया कि 2003 का आदेश नमाज को 'कंटिन्यू' करने के लिए था, न कि उसे शुरू करने के लिए, उन्होंने कहा कि यहां सैकड़ों सालों से नमाज हो रही है और वे नमाज पढ़ना जारी रखेंगे।

यह है भोजशाला विवाद :

यह विवाद राजा भोज द्वारा निर्मित 11वीं सदी की भोजशाला को लेकर है. हिंदू पक्ष इसे मां सरस्वती का मंदिर और संस्कृत विश्वविद्यालय मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। एएसआई ने अपने सर्वेक्षण में पाया था कि मस्जिद का निर्माण मंदिर के अवशेषों और खंभों का पुन: उपयोग करके किया गया था।

तबादला नीति 2026 को आज मिलेगी मंजूरी

मोहन यादव कैबिनेट बैठक में तबादलों की लिमिट और अवधि पर होगी चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की वर्ष 2026 की नई तबादला नीति को आज डॉ. मोहन यादव कैबिनेट मंजूरी देगी। इसका ड्राफ्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार कर लिया है और मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया गया है। ड्राफ्ट के प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच चर्चा के बाद इसे कैबिनेट में लाने के लिए प्रस्तावित किया जाएगा। मंत्रियों की सहमति मिलने के बाद इसे स्वीकृति दी जाएगी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग आदेश जारी करेगा। इस तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की लिमिट अलग-अलग रखी जा सकती है।

स्वैच्छिक तबादलों की लिमिट नहीं रखने का आग्रह

इससे पहले 11 मई को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान मंत्री विजय शाह ने स्वैच्छिक तबादलों की लिमिट न रखने का आग्रह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किया था। इस पर सीएम ने विचार करने की बात कही थी। साथ ही अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति का प्रस्ताव रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। पूर्व में कैबिनेट बैठक 18 मई यानी सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन मंत्रियों की परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग और निगम-मंडल अध्यक्ष-उपाध्यक्षों की ट्रेनिंग के चलते बैठक टाल दी गई। मंगलवार को सीएम दिनभर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा ली जाने वाली क्षेत्रीय परिषद की बैठक में व्यस्त रहे। इस कारण मंगलवार को भी कैबिनेट बैठक नहीं हो सकी। अब बुधवार को सुबह 11 बजे से मंत्रालय में कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें अन्य एजेंडों के साथ तबादला नीति का प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

प्रशासनिक और स्वैच्छिक तबादले अलग : प्रशासनिक सूत्रों

के अनुसार, अब तक जारी होने वाली तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की लिमिट तय रहती थी। कुल कार्यरत कर्मचारियों के 10 से 15 फीसदी तबादलों को ही अनुमति दी जाती थी। इस व्यवस्था में स्वैच्छिक और आपसी (म्युचुअल) तबादले भी इसी कोटे का हिस्सा होते थे। इससे प्रशासनिक आधार पर जरूरी फेरबदल की गुंजाइश कम बचती थी। ऐसे में जहां वास्तव में कर्मचारियों की जरूरत होती थी, वहां ट्रांसफर नहीं हो पाते थे। अब प्रशासनिक तबादले अधिक हो सकेंगे। बुधवार को आने वाली तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों के लिए अलग-अलग व्यवस्था होने की उम्मीद है।

हर बार की तरह स्कूल शिक्षा की पॉलिसी अलग : तबादलों के लिए सभी विभाग ऑनलाइन आवेदन जमा कराएंगे। यह प्रस्ताव भी है कि स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति हर साल की तरह इस साल भी अलग रहेगी। इसके अलावा जनजातीय कार्य, राजस्व विभाग और ऊर्जा विभाग जैसे कुछ अन्य विभाग भी अपनी अलग ट्रांसफर पॉलिसी जारी कर सकते हैं, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी तबादला नीति के मूल तत्वों से अलग कोई विभाग नीति नहीं बना सकेगा।

जिलों में प्रभारी मंत्री और कलेक्टर को पावर : तबादला नीति के प्रस्तावों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को जिले के भीतर प्रभारी मंत्रियों और कलेक्टरों के जरिए स्थानांतरित किया जाएगा। प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद कलेक्टर तबादला सूची जारी करेंगे। वहीं प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के तबादले के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी अनिवार्य होगी। प्रस्तावित नीति में पिछले एक वर्ष के भीतर स्थानांतरित किए गए कर्मचारियों का सामान्य परिस्थितियों में दोबारा तबादला नहीं किया जाएगा।

राज्यमंत्री 25 हजार रुपए दे सकेंगे स्वेच्छानुदान : उधर, सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्यमंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि बढ़ाने को लेकर मोहन कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसले के बाद आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि स्वेच्छानुदान के रूप में अब तक राज्यमंत्री 16 हजार रुपए देते रहे हैं। कैबिनेट द्वारा 11 मई को लिए गए फैसले के बाद यह राशि बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दी गई है। गौरतलब है कि सरकार पहले ही कैबिनेट मंत्रियों का स्वेच्छानुदान बढ़ाकर 40 हजार रुपए प्रति व्यक्ति कर चुकी है, लेकिन राज्यमंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि बढ़ाने को मंजूरी नहीं मिली थी।

प्रदेश के मेडिकल स्टोर्स आज बंद रहेंगे

भोपाल में 3 हजार दुकानों पर असर; दवा की ऑनलाइन बिक्री का विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश में कल यानी 20 मई को दवा दुकानों की हड़ताल रहेगी। भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (अक्डउऊ) ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह बंद बुलाया है। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जिले के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायी इस बंद का समर्थन करेंगे और 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

अस्पतालों के मेडिकल बंद से मुक्त : एसोसिएशन के अध्यक्ष धाकड़ ने बताया कि ऑनलाइन दवा व्यापार की आड़ में नकली, एक्सपायरी एवं गलत दवाओं के वितरण की संभावनाएं बढ़ रही हैं, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने भोपाल की जनता

से इस बंद के कारण होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है तथा नागरिकों से अपील की है कि वे 20 मई से पूर्व ही अपनी नियमित उपयोग की आवश्यक दवाओं का संग्रह कर लें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ये हैं प्रमुख मांगें

ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण
कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट पर रोक
नकली और बिना निगरानी वाली दवाओं पर कार्रवाई

पुणेझगोरखपुर के बीच रोज चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के तीन बड़े स्टेशनों पर ठहराव, 15 जुलाई तक सेवा विस्तारित

भोपाल। गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और मांग को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने पुणेझगोरखपुर के बीच चल रही स्पेशल ट्रेन को समर स्पेशल के रूप में विस्तारित करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन अब नियमित रूप से चलती रहेगी और भोपाल मंडल के इटारसी, रानी कमलापति और बीना जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी, जिससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार गाड़ी संख्या 01415 पुणे से गोरखपुर के बीच 15 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी। यह ट्रेन सुबह 6:50 बजे पुणे से रवाना होकर रात में इटारसी, रानी कमलापति होते हुए अगले दिन बीना पहुंचकर निर्धारित समय पर गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर से हड़पसर (पुणे) के लिए 16 जुलाई 2026 तक रोजाना चलेगी और दूसरे दिन सुबह बीना, रानी कमलापति व इटारसी होते हुए तीसरे दिन तड़के पुणे पहुंचेगी।

रेलवे ने इस ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए एसी द्वितीय, एसी तृतीय, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी सहित 18 कोच लगाए हैं। साथ ही ट्रेन रास्ते में दौंड, मनमाड, भुसावल, खंडवा, झांसी, कानपुर, लखनऊ, गोंडा और बस्ती जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी रुकेगी।

रेल प्रशासन का कहना है कि इस समर स्पेशल ट्रेन के संचालन से लंबी दूरी के यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने में सहूलियत होगी और गर्मी के सीजन में यात्रा का दबाव कम होगा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेन के समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस या रेल मदद हेल्पलाइन 139 से प्राप्त कर सकते हैं।

एमपी से 24 मई को दिल्ली जाएंगे 10 हजार आदिवासी

भोपाल। देश की राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला मैदान एक बार फिर बड़े आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। 24 मई को आयोजित होने वाले 'जनजातीय सांस्कृतिक समागम' में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस समागम में देशभर के आदिवासी समुदाय के लोग शामिल होंगे। इस महारैली में सबसे बड़ी भागीदारी मध्य प्रदेश की होगी, जहां से 10,000 से अधिक जनजातीय बंधु दिल्ली कूच कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

नर्मदा नदी में दूध अर्पण पर एनजीटी ने रिपोर्ट मांगी

भोपाल बेंच ने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से तलब की; भेरूंदा में हुआ था कार्यक्रम

भोपाल। नर्मदा नदी में 11 हजार लीटर दूध अर्पण और 210 साड़ियों के विसर्जन पर नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल ने रिपोर्ट मांगी है। यह वैज्ञानिक रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से तलब की गई है। अर्पण और विसर्जन का कार्यक्रम अप्रैल में सीहोर जिले के सतदेव और भेरूंदा में एक कार्यक्रम के दौरान हुआ था। इस मामले में एनजीटी भोपाल की सेंट्रल जोन बेंच में याचिका दायर की गई थी। मामले की सुनवाई जस्टिज श्योकुमार सिंह और सुधीर कुमार चतुवेर्दी की पीठ ने की। याचिका में कहा गया कि सीहोर जिले की नसरुल्लागंज तहसील

अंतर्गत ग्राम सतदेव एवं भेरूदा क्षेत्र में अप्रैल में धार्मिक कार्यक्रम हुआ था। इस दौरान नर्मदा नदी में लगभग 11 हजार लीटर दूध और 210 साड़ियों का विसर्जन किया गया था। आवेदक ने इसे पर्यावरण एवं नदी पारिस्थितिकी के लिए हानिकारक बताते हुए जल प्रदूषण, जलीय जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव और सिंचाई एवं पेयजल स्त्रोतों के दूषित होने की आशंका व्यक्त की।

जल प्रदूषण का डेटा प्रस्तुत नहीं किया : एनजीटी ने सुनवाई के दौरान अपने आदेश में कहा कि दूध विसर्जन से जल प्रदूषण के संबंध में कोई वैज्ञानिक डेटा अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। हालांकि, न्यायाधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 24 के अंतर्गत किसी भी प्रदूषक पदार्थ को जलधाराओं में प्रवाहित करना प्रतिबंधित है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि दूध जैसे कार्बनिक पदार्थ जल में जैविक ऑक्सीजन मांग बढ़ाकर जलीय जीवन को प्रभावित कर सकते हैं।

नियामक आयोग के लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शनः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मध्यप्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में मिली एक और बड़ी उपलब्धि

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा ट्रांसमिशन लॉसेस का लक्ष्य 2.75 प्रतिशत निर्धारित किया गया था, जबकि एमपी ट्रांसको ने इसे 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखकर बेहतर प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको को देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में शामिल करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बढ़ती विद्युत मांग, सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकरण तथा लगातार विस्तारित हो रहे ट्रांसमिशन नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि के लिए एमपी ट्रांसको सहित प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि सभी विद्युत कंपनियों के समन्वित प्रयास, बेहतर तकनीकी प्रबंधन एवं टीम वर्क के कारण ही मध्यप्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश का ट्रांसमिशन लॉसेस 2.60 प्रतिशत था।

क्वालिटी ऑडिट मोबाइल ऐप : संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार की नई डिजिटल पहल

मध्यप्रदेश में 252 सामाजिक संस्थाओं की निगरानी अब मोबाइल ऐप से

भोपाल। मध्यप्रदेश में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल के रूप में क्वालिटी ऑडिट मोबाइल एप लागू किया गया है। यह पहल डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच को आगे बढ़ाती है। साथ ही विभागीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों ने इस व्यवस्था को धरातल पर प्रभावी रूप से स्थापित किया है। प्रदेश में संचालित शासकीय एवं अशासकीय संस्थाएं जैसे दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र, वृद्धाश्रम, दिव्यांगजनों के संचालित विशेष विद्यालय और नशा मुक्ति केंद्र समाज के कमजोर वर्गों को आश्रय और सेवाएं प्रदान करते हैं। वर्तमान में 252 संस्थाओं के सुचारू संचालन और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीक का सहारा लिया गया है। एमपीएसईडीसी के सहयोग से विकसित यह मोबाइल ऐप निरीक्षण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाता है।

इस ऐप की कार्यप्रणाली एक व्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित है, जिसकी शुरूआत जिला अधिकारी द्वारा विभागीय पोर्टल पर लॉगइन करने से होती है। इसके बाद स्थानीय निकाय में पदस्थ सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को पोर्टल पर पंजीकृत कर यूजर आईडी प्रदान की जाती है, जो उन्हें एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होती है। निरीक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए निरीक्षण दल का गठन किया जाता है और उसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाती है। अगले चरण में संबंधित संस्था का चयन कर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को निरीक्षण के लिए असाइन किया जाता है। अधिकारी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर आवश्यक अनुमतियां प्रदान करते हैं तथा लोकेशन ऑन कर लॉगइन करते हैं। इसके बाद जिस संस्था का निरीक्षण किया जाना है, उसका चयन कर निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होती है। निरीक्षण के दौरान मोबाइल ऐप के माध्यम से संस्था के न्यूनतम 5 फोटो लिए जाते हैं, जिनके साथ विस्तृत विवरण और रिमार्क दर्ज किए जाते हैं। ऐप में निर्धारित प्रश्नों के उत्तर संस्था की वास्तविक स्थिति के आधार पर भरे जाते हैं, जिससे मूल्यांकन निष्पक्ष और तथ्यात्मक बनता है। निरीक्षण के आधार पर अंत में संस्था को ग्रेडिंग प्रदान की जाती है और रिपोर्ट को सबमिट कर निरीक्षण पूर्ण किया जाता है। पूरी प्रक्रिया के बाद निरीक्षण रिपोर्ट संचालनालय और जिला स्तर पर ऑनलाइन उपलब्ध हो जाती है। जिला अधिकारी इन रिपोर्टों और ग्रेडिंग का परीक्षण कर संस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करते हैं। इससे न केवल निगरानी व्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि संस्थाओं के संचालन में निरंतर सुधार भी देखने को मिलता है।

राज्य शासन इन संस्थाओं में रहने वाले दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य जरूरतमंदों को बेहतर जीवन स्तर, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान राशि का सही उपयोग सुनिश्चित करने में भी यह एप महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुल मिलाकर, यह मोबाइल ऐप मध्यप्रदेश में सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के लिए एक आधुनिक और प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उभरा है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन ने यह सुनिश्चित किया है कि सेवा प्रदायगी में पारदर्शिता बनी रहे और प्रत्येक हितग्राही तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं पहुंचें।

वंदे भारत से बैतूल पहुंचे मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल

बैतूल। मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री और बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मंगलवार को वंदे भारत एक्सप्रेस से भोपाल से बैतूल पहुंचे। उन्होंने इस यात्रा के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री की अपील को बताया प्रेरणा : मंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचत और सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग की अपील से प्रेरित होकर उन्होंने वंदे भारत ट्रेन से यात्रा की। बैतूल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर मंत्री पटेल ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन केवल ईंधन की बचत ही नहीं करता, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और यातायात का दबाव कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्री पटेल ने आमजन से भी दैनिक जीवन में अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि लोग निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक साधनों का उपयोग करें, तो इससे प्रदूषण में कमी आएगी और संसाधनों की भी बचत होगी।

विद्यार्थियों को रेडक्रॉस के सिद्धांतों से करें संस्कारितः राज्यपाल श्री पटेल

जूनियर और युवक रेडक्रॉस शाखा की समीक्षा बैठक में हुए शामिल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस के सिद्धांत बच्चों में सेवा, सद्भाव, करूणा और संवेदनशीलता विकसित करते हैं। उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। उनका सर्वांगीण विकास कर, उन्हें आदर्श नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए सक्षम पीढ़ी के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों में रेडक्रॉस की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सभी शिक्षण संस्थानों को हर विद्यार्थी को रेडक्रॉस से जोड़ने की ज़िम्मेदारी उठाना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को रेडक्रॉस की मध्यप्रदेश राज्य शाखा इकाई द्वारा आयोजित जूनियर रेडक्रॉस एवं युवक रेडक्रॉस शाखा की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का आयोजन होटल पलाश रेसीडेंसी में किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री पटेल ने ईंधन बचत के दृष्टिगत अपने कारकेड के वाहनों की संख्या को आधा कर दिया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान, बच्चों में ज्ञान और संस्कार को प्रदान करने वाली सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। संस्थानों को विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। उन्हें समसामयिक चुनौतियों और जीवन

की प्रतिस्पधाओं के लिए जुझारू बनाएं। सफलताओं के दबाव और तनाव प्रबंधन से निपटने का हुनर सिखाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में बच्चों और युवाओं का विशेष योगदान रहेगा। ऐसे में विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ना होगा। कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। आदर्श नागरिक बनाकर मानवता के ध्वजवाहक के रूप में तैयार करना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान, प्रदेश और जिला रेडक्रास इकाईयों के साथ सक्रिय समन्वय करें। रेडक्रॉस की वार्षिक गतिविधियों का कैलेंडर अनुसार नियमित आयोजन करें। उन्होंने देश के अन्य राज्यों में रेडक्रॉस के नवाचारों का अध्ययन कर प्रदेश की परिस्थिति के अनुरूप समावेश करने की बात कही। राज्यपाल श्री पटेल ने जूनियर और युवक रेडक्रॉस के लिए गठित समिति को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। प्रदेश के सभी जिलों में रेडक्रॉस की गतिविधियों को सक्रियता के साथ संचालित करने के लिए कहा है। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने रेडक्रॉस के माध्यम से ब्लॉक और पंचायत स्तर पर सेनेटरी नैपकिन को कम दाम पर उपलब्ध कराने के संबंध में विचार के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और निचले स्तर पर कम से कम दामों में सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने से कमजोर वर्ग की महिलाओं को विशेष लाभ मिलेगा। आर्थिक बचत के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य का स्तर भी बेहतर होगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में जूनियर और युवक रेडक्रॉस की गतिविधियों के सतत आयोजन की बात कहीं। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों में भी रेडक्रॉस, एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के माध्यम से मिलने वाले प्रोत्साहनों के संबंध में चर्चा की।स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने स्कूल स्तर पर जूनियर और युवक रेडक्रॉस के पंजीयन, सदस्यता आदि प्रक्रियाओं के लिए सक्रिय समन्वय की आवश्यकता बताई।

राज्यपाल 4 कारकेड वाहनों के साथ पहुँचे : राज्यपाल श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर अपने कारकेड के वाहनों की संख्या आधी कर दी है। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को जूनियर और युवक रेडक्रॉस की बैठक में शामिल होने के लिए केवल 4 वाहनों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुँचे। विदित हो कि राज्यपाल के कारकेड में पूर्व में 8 वाहन शामिल रहते थे। राज्यपाल श्री पटेल का बैठक के प्रारंभ में रेडक्रॉस की मध्यप्रदेश राज्य शाखा के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जनरल सेक्रेटरी श्री रामेंद्र सिंह ने जूनियर और युवक रेडक्रॉस के पंजीकरण, शुल्क निर्धारण, वार्षिक ऑडिट, निर्धारित गतिविधियों के आयोजन आदि प्रस्तावों की जानकारी दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री अनुपम राजन और राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, उच्च और स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा शासकीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु उपस्थित थे।

प्रशिक्षण- वैचारिक दृष्टि से मजबूत होगा कार्यकर्त्ता : अजय जामवाल

पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान अंतर्गत भाजपा जबलपुर महानगर का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस चार सत्र आयोजित किये गए, सत्रों को क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, तीर्थ क्षेत्र एवं मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोटियां, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन ने विभिन्न विषयो पर अपेक्षित कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया। वर्ग के द्वितीय दिवस पर अष्टम सत्र में विषय जिज्ञासा एवं समाधान पर वक्ता भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा वर्ग में विषय वक्ताओ द्वारा दिए विषय के उद्बोधन के बाद चिंतन, मनन के साथ आपकी जिज्ञासा भी स्वाभाविक है उनका समाधान भी आवश्यक है ताकि आप वर्ग से परिपूर्ण होकर जा सकें, बोलना एवं श्रवण करना दोनों ही प्रशिक्षण का भाग है आप ध्यान से सुनकर ही अच्छा बोलना सीख पाएंगे, संगठन सभी वर्गों की पूर्ण चिन्तन करता है इस वैचारिक युग में सकारात्मकता एवं नकारात्मकता दोनों है यह प्रारंभ से ही देव और असुर जैसा है हमारा संगठन हर विषय पर सूक्ष्म अध्ययन करता है ताकि प्रत्येक विषय में कार्यकर्त्ता निपुण हो सके। श्री जामवाल ने कहा कि आपके कितने भी विद्वान क्यों न हो यदि आप पढ़ते नहीं है तैयारी नहीं करते है आप मजबूत नहीं हो सकते भाजपा ही एक ऐसा संगठन है जो जहां कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किया जाता है संगठन की अपेक्षा पर खरा उतरना हमारा दायित्व है, आज की अनुकूल परस्थिति में हम वैचारिक दृष्टि से हम हर स्थान में पहुंच सके। आज संपूर्ण विश्व योग दिवस मनाता है यह भारत के विचारक विजय है सामाजिक नकारात्मकता, विकृति को सूझबूझ से अलग करना भी एक कला निपुणता है जो अध्ययन से बनता है, सामाजिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ने के लिए, अपनी विचारधारा मजबूत करने हेतु, स्वयं को परिपक्व एवं विकसित करना होगा। व्यक्ति वैचारिक दृष्टि से राष्ट्र का नहीं बनेगा तब तक भारत विश्वगुरु नहीं बनेगा, हम धीरे धीरे चुनौती का सामना करते हुए सफल हो रहे है।

मप्र से पिछड़े प्रदेश का दंश मिटाकर विकसित प्रदेश बनाया : राकेश सिंह

तेरहवें एवं अंतिम सत्र में विषय वक्ता लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियां विषय पर कहा जब सुशासन की बात करते हैं तब ऐसी सरकार जो जनता के हित में काम करे और मध्यप्रदेश में हमने उसी आधार पर काम किया है। हमारी सरकार ने मप्र से पिछड़े प्रदेश का दंश मिटाकर विकसित प्रदेश बनाया और विकास के माइलस्टोन स्थापित किये है। 2003 के पूर्व का मध्यप्रदेश आपको याद होगा, जहां कुशासन की पराकाष्ठा थी जहां संघर्ष एवं आंदोलन की गाथा कही जाती थी सीधे शब्दों में कांग्रेस आंखों धूल झोंकने का काम करती थी, आज की स्थिति बिल्कुल विपरीत है आज मध्यप्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर 11.14 प्रतिशत है जो अन्य राज्यों से कहीं ज्यादा है, आम तौर पर किसी भी राज्य की वृद्धि उसकी प्रतिव्यक्ति आय से माना जाता है हमारे वृद्धि दर यह बताती है कि मध्यप्रदेश राज्य कहां है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में ज्ञान को हमने विकास की धुरी माना है, कोई यदि खुद का व्यापार कर धनोपर्ण करता है तो वह रोजगार देने बाला है मध्यप्रदेश को लगातार 7 बार से कृषि क्रमण अवार्ड मिल रहा है, पीएम सम्मान निधि के साथ मध्यप्रदेश सरकार भी किसान को आर्थिक मदद दे रही है, भाँवंतर योजना भी किसानों को लाभ दे रही है, लाडली बहन योजना के अनुसरण कई राज्य कर रहे है, लाडली लक्ष्मी योजना, मेधावी छात्र योजना, मध्यप्रदेश में विकास की अनेकों योजना है, लोकनिर्माण से लोक कल्याण, का ध्येय वाक्य लोकनिर्माण विभाग का है जिससे लोक निर्माण विभाग का काम गति से बढ़ रहा है, मध्यप्रदेश में एक लाख करोड़ का एमओयू मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमने तैयार किया है।

मन की बात का मूल तत्व जनता से सीधा संवाद :

नवम सत्र में बूथ प्रबंधन, मन की बात, एसआईआर विषय पर वक्ता सुश्री मौसम विसेन ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी है, बूथ प्रबंधन एवं मन की बात का मूल तत्व जनता से सीधा संवाद है, यह प्रशिक्षण वर्ग जिसमें सभी को अलग अलग जिम्मेदारी प्राप्त होगी सभी अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं, हमारी पार्टी का सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता है और संगठन में बूथ सबसे महत्वपूर्ण है बूथ हमारे लिए चुनाव जीतने का आधार और वहां का कार्यकर्ता होता है। नवमतदाता को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना हमारा दायित्व है, संपर्क, समन्वय, समर्पण, संवाद, समीक्षा, से ही हम सतत मजबूत होंगे।

समस्या के लिए अपने वैचारिक दृष्टिकोण से लड़ना होगा :

दशम सत्र में विषय वक्ता विनोद गोटिया ने देश के समक्ष चुनौतियां, राजनैतिक एवं सामाजिक विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि जब समाज में आपका पड़ोसी संपन्न होता है तो कई अन्य पड़ोसी उससे से ईर्ष्या का भाव रखते है, चुनौती की बात की जाए तो सीमा पार की चुनौती हमारे लिए परेशानी है, सीमा पार की चुनौती में कई तरह की गतिविधि हैं तस्करी, आतंकवाद, अवैद्य व्यापार, सीमा पर हमें परेशान करने के प्रयास से पड़ोसी करता है हमारी उन्नति पड़ोसी देख नहीं पा रहा है, वैचारिक आधार पर इन समस्याओं से लड़ने की ताकत क्या है यह समझने की आवश्यकता है, जो विचार होता है वह नेतृत्व से बड़ा होता है, हम दीनदयाल जी के विचारों पर चल रहे है, देश में जो विमर्श बना वह कश्मीर पर बना इसको हमने विचारधारा से समाप्त किया ये सभी चुनौतियां हैं, हम सभ्य समाज के लोग है हमारी सभ्यता इतनी पुरातन है जो हमारे रग रग में बसी है, और इसी कारण हम सभ्य है, आतंकवाद की समस्या के समाधान के लिए हम आगे बढ़े, हमने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, और ऑपरेशन सिंदूर से समाधान करने का प्रयास किया, बाह्य चुनौतियां है तो कुछ आंतरिक चुनौतियां भी है, घुसपैठियों की भी समस्या है एक व्यक्ति का धर्मांतरण के साथ भी उसका राष्ट्रांतरण हो जाता है वह राष्ट्र के पार्टी अलग विचार रखने लगता है, आपकी समस्या के लिए आपको अपने वैचारिक दृष्टिकोण से लड़ना है , तब आप देश की आंतरिक चुनौतियों से शक्ति से लड़ पाएंगे।

संगठन की विचारधारा को विकसित करना :

ग्यारहवें सत्र में विषय वक्ता के रूप में अखिलेश जैन ने विचार परिवार विषय पर कहा कि संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण, और समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण, है भाजपा का जन्म विचारधारा के आधार पर हुआ है, विचार परिवार का आधार यह है कि भारत विश्व कल्याण के लिए है, हमने प्रशिक्षण अभियान इस कारण किया कि हम अपनी विचारधारा के अनुरूप कार्यकर्ता का निर्माण कर सके, हमारे विचार परिवार के 35 संगठन है हम सभी में समन्वय बना सकें, समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संघ के सक्रिय कार्यकर्ता करते हैं सामूहिकता एवं परस्परता से हम समन्वय बनाकर आगे बढ़ रहे है, संगठन की मूल भावना विचारधारा को विकसित करना, हमारा कार्यकर्ता क्या है तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित के वाक्य को चरितार्थ करता है, हमारे आनुशांगिक संगठन, राष्ट्र निर्माण एवं उत्थान में डटकर कार्य कर रहे है ताकि भारत माता परम वैभव तक पहुंच सके। बारहवें सत्र में विषय वक्ता भीष्म द्विवेदी ने हमारी कार्यपद्धति विषय पर संबोधित किया।

इनकी रही विशेष उपस्थिति :

होटल वेटिवर ग्रैंड न्यू पनागर बायपास में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व संगठन मंत्री सुरेश देशपांडे, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, पूर्व विधायक अंचल सोनकर, वर्ग प्रभारी पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल, जिला प्रभारी आलोक संजर, महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्वनी परौंजपे, संदीप रजक दीपांकर बैनर्जी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल की उपस्थिति में हुआ। समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर से सभी अतिथियों, वक्ताओ और वर्ग में शामिल अपेक्षित प्रशिक्षार्थी एवं व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में मिली एक और बड़ी उपलब्धि

एमपी ट्रांसको ने ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में हासिल की सफलता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बढ़ती विद्युत मांग, सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकरण तथा लगातार विस्तारित हो रहे ट्रांसमिशन नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश का ट्रांसमिशन लॉसेस 2.60 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी इसे इसी स्तर पर बनाए रखना प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की दक्षता, तकनीकी क्षमता और बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग के दौरान भी यह उपलब्धि हासिल होना अत्यंत गौरव का विषय है।

नियामक आयोग के लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन : मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा ट्रांसमिशन लॉसेस का लक्ष्य 2.74 प्रतिशत निर्धारित किया गया था, जबकि एमपी ट्रांसको ने इसे 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखकर बेहतर प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको को देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में शामिल करती है।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई : ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिए एमपी ट्रांसको सहित प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि सभी विद्युत कंपनियों के समन्वित प्रयास, बेहतर तकनीकी प्रबंधन एवं टीम वर्क के कारण ही मध्य प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम स्वनिधि 2.0 योजना में नगर निगम जबलपुर को देश में तीसरा स्थान, आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार का सम्मान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि 2.0 (पीएम स्वनिधि 2.0) योजना में उत्कृष्ट कार्य करते हुए नगर निगम जबलपुर ने देशभर में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर नगर निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार को अजाक्स संघ नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी संघ द्वारा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आयुक्त श्री अहिरवार के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन और नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के कारण यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। यह उपलब्धि नगर निगम जबलपुर के लिए गर्व और सम्मान का विषय है तथा इससे शहर की कार्यप्रणाली और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनी है। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष अमित मेहरा सहित अक्षय कोरी, गुलशन जबलपुर, रामू भैया कोयरी, नायडू एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया और उनके नेतृत्व की सराहना की। संघ पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि आयुक्त श्री अहिरवार के नेतृत्व में नगर निगम जबलपुर भविष्य में भी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल करता रहेगा तथा जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिला अध्यक्ष बने अग्रवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस, इंटक के प्रदेश अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव द्वारा वेस्ट सेंटल रेलवे मजदूर संघ के मंडल सचिव डीपी अग्रवाल को जबलपुर जिला राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक कौंसिल का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वेस्ट सेंटल रेलवे मजदूर संघ के कार्यकर्ता मुकेश दास ने डीपी अग्रवाल को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक कौंसिल का जबलपुर जिला अध्यक्ष मनोनीत पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि अब जिले में मौजूद इंटक यूनियनों की सक्रियता बढ़ेगी और कर्मचारियों का पक्ष सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

इस अवसर पर मुकेश दास के अलावा शरद यादव, बाबी धौलपुरी,भूपत सिंह, मनीष सिंह, अशोक मौर्या ,रवती रमन, संदीप दुबे, संतोष चौरसिया, कृष्णा मांझी, रवि भारती, सोनू कुमार अतीक खान आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच की बैठक संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सोमवार राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच की एक आवश्यक बैठक आर्य समाज भवन में संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच के संरक्षक मयाराम जैसवानी जी ने आगामी कार्य योजना पर मार्गदर्शन के साथ कमजोर हिंदू परिवारों को मजबूत करने की बात कही उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य भारत देश की हमेशा उन्नति हो साथ ही प्रत्येक हिंदू परिवार धर्म एवं देश की रक्षा का संकल्प ले राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच द्वारा आगामी कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई इस अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच के कार्यकताओं सहित मातृशक्ति उपस्थित रही।

नगर निगम जबलपुर के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के सफल री-स्टार्ट मॉडल की दिल्ली में हुई सराहना

मॉडल बना जबलपुर शहर, अन्य नगरीय निकायों के लिए है अनुकरणीय

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम ने स्वच्छता और सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर शहर का मान बढ़ाया है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित नेशनल रिव्यू ऑफ स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 की उच्च स्तरीय बैठक में जबलपुर के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के सफल पुनसंर्चालन और बेहतरीन प्रबंधन मॉडल की जमकर सराहना की गई। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में आयोजित इस राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में देश भर के राज्यों के प्रमुख सचिव और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मध्य प्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने बैठक में सहभागिता की।

बंद पड़े प्लांट को बनाया रोल मॉडल, निगमायुक्त ने दी प्रस्तुति- बैठक के दौरान जबलपुर निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने एक विस्तृत और प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने देश भर से आए प्रतिनिधियों के सामने साझा किया कि किस तरह जबलपुर नगर निगम ने अपरिहार्य कारणों से बंद पड़े वेस्ट टू एनर्जी प्लांट को न केवल पुनर्जीवित किया, बल्कि उसे देश के अन्य नगरीय निकायों के लिए एक मिसाल बना दिया।

ऐसे प्रयासों से मिली सफलता- निगमायुक्त ने अपनी प्रस्तुति में प्लांट की पुनर्स्थापना के उन महत्वपूर्ण कदमों को साझा किया, जिसकी बदौलत यह सफलता मिली। प्लांट के बंद होने के दौरान समय का सही उपयोग करते हुए पूरी मशीनरी का गहन मेंटेनेंस और ओवरहालिंग कार्य कराया गया। प्लांट बंद रहने के दौरान जो कचरा जमा हुआ था, उसे ट्रॉमल और बैलिस्टिक सेपरेटर मशीनों के माध्यम से पूरी तरह से अलग-अलग किया गया। सभी तकनीकी सुधारों के बाद प्लांट को जब पूरी क्षमता के साथ दोबारा शुरू किया गया, तो महज तीन महीनों के भीतर संचित कचरे का सफलतापूर्वक शत-प्रतिशत प्रसंस्करण कर लिया गया। प्रस्तुति में बताया गया कि अब इस प्लांट से निर्बाध रूप से क्लीन एनर्जी (बिजली) का उत्पादन हो रहा है। भविष्य में यह व्यवस्था कभी ठप न हो, इसके लिए नगर निगम जबलपुर ने तीन स्तरीय सुरक्षा चक्र तैयार किया है। खराबी आने से पहले ही मशीनों की नियमित जांच। संचालन की हर स्तर पर कड़ी मॉनिटरिंग। सभी हितधारकों और तकनीकी टीम के बीच मजबूत तालमेल।

अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बना जबलपुर का मॉडल- केंद्रीय मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने जबलपुर के इस कमबैक मॉडल को सराहा। विशेषज्ञों का मानना है कि कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में जबलपुर नगर निगम का यह प्रयोग देश के उन सभी शहरों के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगा, जो अपने यहाँ वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के संचालन की दिशा में अग्रसर हैं।

भगवत भक्ति से होता है भक्त का कल्याण : नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हमारा धर्म और नियम "प्रभु प्रेम" से भरा हुआ होना चाहिए, जिसकी अनुभूति हमें और हमारे आस-पास रहने वालों को भी होना चाहिए। अपने कर्म से, व्यवहार से, वाणी से और भाव से ईश्वर के प्रेम को प्रकट करने वाला "भक्त" होता है। भगवान की भक्ति सदैव हमारा कल्याण व मंगल करती है। भक्तों की भक्ति से बंधे भगवान भी भक्तों की हर असंभव मांग को पूरा करने के लिए हर क्षण रूप बदलते हैं।

परिवार में आपसी सहयोग और सामंजस्य स्थापित करना परिवार के सदस्यो का कर्तव्य है। श्रीकृष्ण ने रूक्मिणी के प्रेम और भक्ति के मोह में बंधकर रूक्मिणी से परिणय सूत्र में बंधे हैं। क्योंकि रूक्मिणी लक्ष्मी स्वरूपा हैं और लक्ष्मी नारायण सदा सर्वदा एक है।

उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने श्री आदर्श केशरवानी वैश्य समाज संगठन व्दारा 14 म?ई से 21 तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस में श्रीकृष्ण रूक्मिणी मंगल की कथा में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह में दुर्गा मंदिर कैलाशपुरी हाथीताल जबलपुर में कहे।

सम्पादकीय

किस ब्रह्मांड में हैं ट्रंप

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के एक मंच से आगाह किया है कि यह आपदाओं का दशक बन गया है। यदि पश्चिम एशिया युद्ध के हालात नहीं बदले, युद्ध नहीं थमा, तो दशकों की कई उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' हैं। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है। विश्व में हाहाकार मची है। जापान जैसे देश को अपना तेल रिजर्व खोलना पड़ा है, ताकि देश में आपूर्ति बराबर बनी रहे। कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। कच्चा तेल औसतन 51 फीसदी महंगा हुआ है। यूरिया और अमोनिया 65 फीसदी और बुटान (हाईड्रोकॉर्बन गैस) 51 फीसदी से अधिक महंगे हुए हैं। यह कोई अस्थायी बाधा और सामान्य स्थिति नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का आकलन है कि ईरान युद्ध के कारण दुनिया के 4.5 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो सकते हैं। क्या ट्रंप को इन स्थितियों का एहसास तक नहीं है? क्या वह विश्व-विजयी आक्रांता साबित होना चाहते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के सौजन्य से ऐसी खबरें न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया में छपी हैं कि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम और संवर्धित यूरेनियम (करीब 450 किग्रा.) पर कब्जा करने को सैन्य व्यूह-रचना करवा रहे हैं। यह कौन-सी कूटनीति है? अभी तक के युद्ध में तो अमरीका ईरान के परमाणु कार्यक्रम की परछाई तक ढूंढ नहीं सका है और अब तो रूस, चीन उसे बराबर मदद दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप चीन गए थे, लेकिन चीन के प्रति इतना घोर अविश्वास और संदेह है कि चीन ने जो उपहार दिए थे, उन्हें हवाई अड्डे पर ही कूड़ेदान में डलवा कर नष्ट करा दिया गया। हैकिंग और जासूसी के उपकरणों का शक! चीन ने सेमीकंडक्टर चिप, दुर्लभ खनिज, बोइंग विमान, बिजली के वाहन, आपसी व्यापार समझौते आदि पर कोई ठोस बात ही नहीं की, समझौता तो दूर की कौड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप तो अपने ही ब्रह्मांड में रहते हैं, बेशक गालबजाई करते रहें कि चीन दौरा बेहद सफल रहा। हकीकत यह है कि ट्रंप चीन से खाली हाथ लौटे हैं, लिहाजा गुस्से और कुंठा में ईरान पर नए आक्रमण की बात कर रहे हैं। पेंटागन के कमांडरों को युद्ध की तैयारियां करने के अघोषित आदेश दिए जा चुके हैं। हकीकत यह भी है कि चीन और रूस की मदद से ईरान युद्ध के मोर्चे पर अब भी डटा है और पलटवार की चेतावनियां भी जारी कर रहा है। भारत में लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। शनिवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में गिग वर्कर्स ने दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतीकात्मक हड़ताल रखी। गिग की संख्या देश भर में 1.2 करोड़ से अधिक बताई जाती है। कैब सेवाएं, ट्रक आदि ने भी हड़ताल के संकेत दिए हैं। हमारे देश में तेल कंपनियों ने 2022 के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम 3-3 रुपए बढ़ाए हैं। उसी पर चीखा-चिल्ली मची है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये दाम 20-30 रुपए तक बढ़ेंगे, तभी तेल कंपनियों के घाटे पूरे होंगे और वे मुनाफा कमाने लगेंगी। अगर हालात सामन्य नहीं हुए तो आने वाला समय और ज्यादा संकट वाला होगा। फिलहाल तो वैश्विक संकट देखते रहिए।

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

- ललित गर्ग-

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं। आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है। सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है।

दुनिया के विकसित देशों में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपराधों को अत्यंत गंभीर माना जाता है। वहां फर्जी चिकित्सकों को केवल नौकरी से नहीं हटाया जाता, बल्कि आजीवन प्रतिबंध, भारी आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ता है। कई देशों में डॉक्टरों के पंजीकरण और प्रमाणपत्रों का नियमित सत्यापन होता है तथा डिजिटल निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत होती है कि फर्जीवाड़े की संभावना बहुत कम रह जाती है। इसके विपरीत भारत में कई बार जांच प्रक्रिया लंबी, जटिल और धीमी होती है। वर्षों तक जांच चलती रहती है और दोषी बच निकलते हैं। यह व्यवस्था अपराधियों में भय नहीं, बल्कि निर्भीकता पैदा करती है। अब समय केवल चिंता व्यक्त करने या औपचारिक आश्वासनों का नहीं, बल्कि निर्णायक और कठोर कदम उठाने का है। देश के प्रत्येक पंजीकृत डॉक्टर का लाइव डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जहां कोई भी नागरिक एक क्लिक पर डॉक्टर की योग्यता, पंजीकरण संख्या, मेडिकल कॉलेज और सेवा विवरण की पुष्टि कर सके। मेडिकल काउंसिलों को केवल कागजी संस्थाएं नहीं, बल्कि सक्रिय निगरानी तंत्र बनाना होगा। अस्पतालों का नियमित निरीक्षण हो, डॉक्टरों के दस्तावेजों का रैंडम फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए और फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर केवल फर्जी डॉक्टर ही नहीं, बल्कि उसके दस्तावेज पास करने वाले अधिकारी और सत्यापन करने वाले कर्मचारी भी सह-आरोपी बनाए जाएं। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था नहीं सुधरेगी।

इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्स्थापित करना होगा। चिकित्सा केवल रोजगार नहीं, सेवा का क्षेत्र है। डॉक्टर का पहला धर्म लाभ कमाना नहीं, जीवन बचाना होना चाहिए। यदि चिकित्सा क्षेत्र से संवेदनाएं समाप्त हो जाएंगी तो मशीनें बचेंगी, मानवता नहीं। आज समाज एक गहरे भय और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, जब जीवन बचाने वाले ही जीवन के लिए खतरा बन जाएं, जब अस्पतालों में भरोसे की जगह डर और संदेह बैठ जाए, तब नागरिक कहां जाए? यह प्रश्न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के सामने खड़ा है। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक पतन और सामाजिक विघटन का संकेत है।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं बनेगा। वह तभी बनेगा जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे, जब अस्पताल आशा के केंद्र बनेंगे, जब दवा पर विश्वास होगा और जब डॉक्टर का नाम सुनते ही श्रद्धा और भरोसा जागेगा। सड़कें, उद्योग, तकनीक और पूंजी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मनुष्य का जीवन है। यदि जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास का कोई भी सपना अधूरा रह जाएगा। मेडिकल जैसे पवित्र पेशे में घुस चुके भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और अनैतिकता के इस कैंसर का उपचार समय रहते करना होगा। यह केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते कठोर निर्णय नहीं लिए तो फर्जी चिकित्सकों, नकली दवाओं और मुनाफाखोरी का यह जाल समाज के विश्वास को पूरी तरह निगल जाएगा। विकसित भारत की यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता, शुचिता, जवाबदेही और मानवीयता सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि जहां जीवन सुरक्षित नहीं, वहां विकास का कोई भी स्वप्न स्थायी नहीं हो सकता।

आज का राशिफल

मेष - आप कहीं निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो आज का दिन अच्छा है। महिलाएं घर और काम दोनों जिम्मेदारियां आसानी से निभा लेंगी और अपने निजी कामों पर भी ध्यान रहेगा।

वृषभ - आपने कहीं पैसा उधार दिया है तो आज वापसी संभव है। आप अपनी सोच और समझ से हर समस्या का हल निकाल लेंगे।

मिथुन - आपके प्रयासों से आय के साधनों में सुधार आएगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क - सिंतान से जुड़ी कोई समस्या सुलझाने से राहत मिलेगी और आप बाकी कामों पर ध्यान दे पाएंगे।

सिंह - दिनचर्या मनचाहे तरीके से बीतेगी। कोई खुशखबरी मिल सकती है। हर काम योजना बनाकर करेंगे तो सफलता मिलेगी।

कन्या - अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा और जरूरी जानकारी भी मिल सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें, सहज तरीके से करेंगे तो बेहतर परिणाम आएंगे।

तुला - स्वास्थ्य में सुधार से आत्मविश्वास बढ़ेगा और काम पर ध्यान लगेगा। मार्केटिंग और विदेशी संपर्क मजबूत करें, फायदा होगा।

वृश्चिक - समय बहुत अच्छा है, इसका पूरा लाभ लें। मित्रों और संबंधियों के साथ सकारात्मक बातचीत होगी।

धनु - आपका व्यवहार जितना सौम्य और मधुर रहेगा, लोग उतना ही आपकी बात मानेंगे।

मकर - दिन की शुरूआत में ही अपने जरूरी काम की रूपरेखा बना लें।

कुंभ - पिछले कुछ समय से चल रही समस्या का हल मिलने वाला है। ग्रह स्थिति अप्रत्याशित लाभ के संकेत दे रही है, इसलिए मौके पहचानें।

मीन - भाई या मित्र की मदद से फंसा पैसा मिल सकता है। मेहनत और योग्यता से आप जरूरी काम पूरा कर लेंगे।

चिंतन मनन

देश को 'रोड प्रेजेंस' पसंद है

जो सडक पर कामयाब है, वही सदन में भी लाजवाब है। प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच यही कोशिश उनके भविष्य से ताल्लुक रख रही है, इसलिए प्रेजेंस से बड़ी रोड प्रेजेंस है। पूरा देश इसलिए सडक पर खड़ा सडक माप रहा है ताकि देख सके कि किसकी रोड प्रेजेंस सबसे अव्वल है। हम आवारा पशुओं को सडक पर देखकर यह अनुमान लगा सकते हैं कि इनसान का अब मुकाबला कितना जमीनी है। हर गांव से शहर तक की तकदीर का अंदाजा सडक पर लगा सकते हैं कि कौन प्रभावशाली वहां रहता होगा। जिस शहर में सबसे अधिक अतिक्रमण, वहां प्रशासन से शासन तक की रोड प्रेजेंस दिखाई देती है। सारा नशा अब रोड प्रेजेंस बढ़ा रहा है। इजरायली केवल ईरान से नहीं लड़ रहे, बल्कि भारत में रोड प्रेजेंस देकर हमें हमारी दोस्ती व पर्यटन दे रहे हैं। हिमाचल की कुल्लू वैली का कसोल हो या धर्मशाला का धर्मकोट हो, वहां इजरायल की रोड प्रेजेंस से हमारा पर्यटन, हमारा नशा मशहूर हो गया। देश को रोड प्रेजेंस पसंद है, इसलिए वीआईपी मार्गों पर अक्सर पुलिस काम करती है। उस दिन हमारी गली में मंत्री क्या गुजर गए, पुलिस के कारण हम प्रेजेंट हो गए। सरकार किसी भी रास्ते पर जनता को प्रेजेंट कर सकती है। इसलिए धर्म और संस्कृति के कार्यों के अलावा सत्ता के महान कार्य भी सडकों पर ही होने लगे हैं। सरकारें और समाज अगर रोड पर आ जाएं तो आम नागरिक भी सडक पर देखने की वस्तु हो जाएंगे। आधुनिक भारत है ही रोड पर। खुशहाल भारत भी रोड पर है, इसलिए बड़े नेता रोड शो करते हैं। गतिशील भारत जब सडक पर चलता है, तो स्वच्छता अभियान सफल होते हैं। भले ही राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़ दी, मगर झाड़ू चुनाव चिन्ह बिना बताए भी रोड प्रेजेंस देता रहा है। रोड प्रेजेंस में हम दुनिया के नंबर वन देश हैं।

महंगाई से आम आदमी की जेब ढीली

इस बढ़ती हुई महंगाई से जहां आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन में मुश्किलें बढ़ रही हैं, वहीं अर्थव्यवस्था की विकास रफ्तार धीमी हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है इन दिनों पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक भूराजनीतिक चुनौतियों के बीच देश में महंगाई बढे की चुनौती उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए की वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल 2026 में थोक महंगाई बढकर 8.3 प्रतिशत और खुदरा महंगाई बढकर 3.48 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह महंगाई से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भी भारत में महंगाई बढके विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस बढ़ती हुई महंगाई से जहां आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन में मुश्किलें बढ़ रही हैं, वहीं अर्थव्यवस्था की विकास रफ्तार धीमी हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसे में पश्चिम एशियाई संकट के कारण नागरिकों को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे जहां तक संभव हो मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इलेक्ट्रिक कारों और कार पूलिंग को प्राथमिकता दें। साथ ही कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग्स को बढ़ावा दें। देश और दुनिया के अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट के झटकों और वैश्विक अनिश्चितता के लिए खुद को तैयार रखने संबंधी टिप्पणियां करते हुए दिखाई दे रहे हैं। 13 मई को रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई का दबाव बढे पर अब नीतिगत रीपो रेट में वृद्धि की कार्रवाई की जानी होगी। गौरतलब है कि इन दिनों पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं से भारत में महंगाई बढ लगी है। उल्लेखनीय है कि 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ एक मई से 19 किलोग्राम के वाणिज्यक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए और 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 549 रुपए की बढ़ोतरी का असर रेस्टोरेंट, ढाबों और रोजमर्रा के काम में एलपीजी का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायों की लागत बढे के रूप में दिखाई देने लगा है। इस बड़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर होने से महंगाई बढ लगी है। पेट्रोलियम मंत्रालय का आकलन है कि सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपए का घाटा हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि जिस तेजी से दुनिया के विभिन्न देशों में महंगाई बढ़ रही है, उसकी तुलना में भारत में महंगाई बढे की दर कम है, लेकिन महंगाई बढ की प्रवृत्ति उभरकर दिखाई दे रही है। एशियाई विकास बैंक के द्वारा 10 मई को प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2026 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। इसी तरह प्रमुख कंसल्टेसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशियाई संकट के कारण भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर को छू सकती है। उल्लेखनीय है कि 8 मई को क्रिसिल के द्वारा प्रकाशित ताजा 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2026 में घर पर बनी शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत बढ़ गई है।

कुंडेश्वरधाम में जल गंगा संवर्धन अभियान का शंखनाद

विधायक संतोष बरकड़े ने 17 जल संरचनाओं का किया भूमिपूजन

कलेक्टर ने दिया नर्मदा की सहायक नदियों को सहेजने का संदेश

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत आज कुंडेश्वरधाम में एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक संतोष बरकड़े ने क्षेत्र के 17 ग्रामों के लिए 3 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न जल संरचनाओं के निर्माण और उनके पुनर्जीवन कार्यों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ सहित वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

भावी पीढ़ी के लिए पानी बचाना हर नागरिक का संकल्प: विधायक बरकड़े

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक संतोष बरकड़े ने जल संवर्धन की महत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद को सहेजना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। आज जिन 17 कार्यों का भूमिपूजन किया गया है, उनमें मुख्य रूप से स्टॉप डैम का निर्माण शामिल है, जो आने वाले समय में जलस्तर को सुधारने में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय और ग्रामीणों से भावुक अपील करते हुए कहा कि हमें अपनी भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखकर आज से ही वर्षा जल संचय के हर संभव तरीके अपनाने होंगे और इस पुनीत कार्य के लिए सबको खुद आगे आना होगा।

छोटे प्रयासों से ही सिद्ध होंगे बड़े संकल्प: कलेक्टर सिंह

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने पर्यावरण और जल संरक्षण को लेकर बेहद व्यावहारिक और प्रभावी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी मध्य प्रदेश की जीवन रेखा है और इसकी अविरल धारा को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि नर्मदा की सहायक नदियां कभी न सूखें। इसके लिए सहायक नदियों की नियमित साफ-सफाई, गाद निकालना और स्टॉप डैम बनाने जैसे समुचित उपाय युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। उन्?होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े और युगांतकारी कार्य सिद्ध होते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को जल संरक्षण को लेकर अपने सामाजिक दायित्वों को समझना होगा। कलेक्टर ने जल संचयन के साथ-साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। इस अभियान में वन विभाग के अधिकारियों ने भी शिरकत की और वृक्षारोपण व जल संचयन की दिशा में अपने तकनीकी व व्यावहारिक विचार साझा किए। कार्यक्रम का सबसे अनूठा और सकारात्मक पहलू तब देखने को मिला जब कुंडम के पास स्थित ऐतिहासिक तालाब के पुनर्जीवन का संकल्प लिया गया। वहां उपस्थित सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से जनभागीदारी के जरिए तालाब की गाद हटाने की मुहिम की शुरूआत की। इस सामूहिक श्रमदान और संकल्प ने यह साफ कर दिया कि शासन और प्रशासन के साथ जब जनता कदम से कदम मिलाकर चलती है, तो जल समृद्धि का सपना सच होने में देर नहीं लगती।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तहत पश्चिम मध्य रेलवे में पर्यावरण संरक्षण की अलख

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल और कोटा में 15 मई से 5 जून तक विशेष पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम ह्लजलवायु परिवर्तन – धरती माँ की चुनौतियाँह्व रखी गई है। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कोटा मंडल में अभियान का शुभारंभ शपथ समारोह के साथ किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। स्टेशनों पर पोस्टर, बैनर और डिजिटल संदेशों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, एकल उपयोग प्लास्टिक से होने वाले नुकसान और हरित जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। सोशल मीडिया पर भी #द्ब२२ड्ढल्लछत्रह्य अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। भोपाल मंडल में रेलवे कर्मचारियों के लिए जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणालियों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इटारसी, भोपाल और आरकेएमपी सहित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित इन कार्यक्रमों में कर्मचारियों को प्लास्टिक उपयोग कम करने, कचरा पृथक्करण और ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। रेलवे स्टेशनों पर ह्लअपनी पानी की बोतल साथ रखेंह्व अभियान चलाकर यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने के लिए प्रेरित किया गया। जबलपुर मंडल में भी व्यापक स्तर पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जबलपुर, कटनी, सतना, रीवा, दमोह और पिपरिया स्टेशनों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। कर्मचारियों को अधिक वृक्षारोपण करने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण अपनाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के बीच पम्पलेट वितरित कर सूखा और गीला कचरा अलग रखने तथा स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। रेलवे प्रशासन ने कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लगातार प्रतिबद्ध है और अभियान अवधि में विभिन्न हरित पहल एवं जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

आसमान में उड़ी युवा नवाचार की उड़ान

67 ग्राम के मिनी ड्रोन से छात्रों ने राष्ट्रीय रोबोटिक्स प्रतियोगिता में जीता पुरस्कार

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग के छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच और तकनीकी कौशल का परिचय देते हुए मात्र 67 ग्राम वजन का अत्याधुनिक मिनी ड्रोन तैयार किया है। इस उपलब्धि ने संस्थान को गौरवान्वित किया है। यह ड्रोन पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्प एवं विनिर्माण संस्थान (ट्रिपलआईटीडीएम) जबलपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की रोबोटिक्स प्रतियोगिता के लिए तैयार किया गया था, जिसमें ड्रोन का वजन 100 ग्राम से कम रखना अनिवार्य था। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने चुनौती को अवसर में बदलते हुए हल्के एवं मजबूत मटेरियल का उपयोग कर सफलतापूर्वक ड्रोन तैयार किया और प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र संस्कार चौरसिया ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को अदनान पाटनवाला, हिबा खान, मनसू चौकसे और समीप चौकसे के साथ मिलकर मात्र 25 दिनों में तैयार किया गया। विद्यार्थियों ने कॉलेज के प्रोफेसरों के मार्गदर्शन और ऑनलाइन रिसर्च के माध्यम से इसकी डिजाइनिंग एवं तकनीकी संरचना विकसित की।

मोबाइल और रिमोट दोनों से नियंत्रित

विशेष रूप से तैयार किया गया यह ड्रोन मोबाइल एवं रिमोट दोनों माध्यमों से संचालित किया जा सकता है। मोबाइल आधारित वाई-फाई कनेक्टिविटी पर इसकी रेंज लगभग 200 से 500 मीटर तक रहती है, जबकि रिमोट कंट्रोल से इसकी उड़ान क्षमता 2.5 से 3 किलोमीटर तक पहुँच जाती है। ड्रोन की प्रोग्रामिंग उ++ आधारित है। इसमें माइक्रो कंट्रोलर, हल्की लेकिन शक्तिशाली बैटरी, प्लास्टिक प्रोपेलर और आधुनिक सेंसर तकनीक का उपयोग किया गया है। ड्रोन में जाइरोस्कोप, एक्सेलरोमीटर एवं बैरोमीटर जैसे सेंसर लगाए गए हैं, जो इसे संतुलित और सुरक्षित उड़ान प्रदान करते हैं। मोबाइल से संचालन के लिए ईएसपी ऐप का उपयोग किया जाता है। वाई-फाई से कनेक्ट होने पर यह सेंसर को सिग्नल भेजता है और सेंसर डेटा के आधार पर ड्रोन नियंत्रित होकर उड़ान भरता है।

अदालत का अभूतपूर्व बडा फैसला : 2.89 करोड़ होल्ड करने के आदेश

डिक्रीशुदा जमीन को अवैध रूप से बेचने वाले आरोपियों के बैंक खाते सील

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जबलपुर (न्यायाधीश डीपी सूत्रकार) ने कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर विवादित जमीन को बेचने के एक मामले में सख्त रुख अपनाया है । अदालत ने मामले के तीन अभियुक्तों के बैंक खातों को कुर्क करते हुए उनमें जमा ?2.89 करोड़ की राशि को तत्काल प्रभाव से होल्ड करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही साइबर शाखा जबलपुर और माढ़ोताल थाना प्रभारी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

पक्षकार- यह पूरा विवाद परिवादी सुभाषचन्द्र केसरवानी और आरोपी पक्ष दीक्षितपुरा कॉलोनी, जबलपुर निवासी राजेश कुमार अवस्थी, कु. रश्मि अवस्थी तथा श्रीमती गीता अवस्थी के बीच का है। परिवादी सुभाषचन्द्र और आरोपियों के दिवंगत पिता स्व. योगेशचंद्र अवस्थी के बीच जमीन को लेकर 13 मार्च 1995 से सिविल कोर्ट में विवाद लंबित था। इस मामले में एक सक्षम अदालत ने सुभाषचन्द्र के पक्ष में निर्णय (डिक्री) पारित करते हुए आरोपियों को उनके पक्ष में जमीन का विक्रय पत्र निष्पादित करने का आदेश दिया था।

धोखाधड़ी और अवैध बिक्री :

आरोपियों को यह अच्छी तरह पता था कि अदालत ने जमीन की रजिस्ट्री सुभाषचन्द्र के नाम करने का आदेश दिया है। इसके बावजूद, अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से आरोपियों ने 26 दिसंबर 2024 को उस डिक्रीशुदा जमीन को किसी अन्य खरीदार को ?2,89,00,000 (दो करोड़ नवासी लाख रुपये) में बेच दिया और राशि हड़प ली।

अपराध की कमाई के खाते कुर्क करने का आदेश :

परिवादी की शिकायत पर थाना माढ़ोताल में अपराध क्रमांक 485/2025 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) धारा 243 (डिक्री या अदालत के आदेश के निष्पादन को विफल करने के लिए संपत्ति को छिपाना या ट्रांसफर करना) धारा 244 (झूठे दावे या अवैध तरीके से संपत्ति पर अधिकार जताना) के तहत चालान कोर्ट में

पेश किया कोर्ट ने माना कि आरोपियों ने अदालत की डिक्री का उल्लंघन कर अवैध रूप से लाभ कमाया है। इसलिए, जमीन बेचकर कमाए गए ?2.89 करोड़ 'अपराध का आगम' (Proceeds of Crime) हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 107 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए कोर्ट ने तीनों आरोपियों के मोबाइल नंबरों (99933020505, 9039299570, 6261146392) से जुड़े बैंक खातों में ?2.89 करोड़ तक की राशि को तत्काल होल्ड और कुर्क करने के निर्देश दिए। अदालत ने इस मामले में आरोपियों पर आरोप तय करने और तर्कों को सुनने के लिए 18 जून 2026 की अगली तारीख नियत की है।

एक ही गाड़ी से निरीक्षण पर निकले निगमायुक्त और अपर आयुक्त, दिया ईंधन व पर्यावरण बचाने का संदेश

निगमायुक्त के मार्गदर्शन में स्वच्छता और संभागीय टीम भी कर रहे हैं पूल वाहन का उपयोग

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम के अधिकारियों ने अलग-अलग वाहनों के काफिले की परंपरा को बंद करते हुए एक बड़ा संदेश दिया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चैहान, अरविंद शाह ने एक ही गाड़ी में सवार होकर शहर के विभिन्न संभागों का सघन दौरा किया। अधिकारियों की इस सादगी और पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। आज निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में स्वच्छता और संभागीय टीम द्वारा भी कार्यों के दौरान पूल वाहन का उपयोग किया गया।

भांतलैया, अधारताल और सुहागी संभाग का लिया जायजा

दोनों अधिकारियों ने एक साथ भांतलैया, अधारताल और सुहागी संभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्डों की सफाई व्यवस्था को बारीकी से परखा और नागरिकों को मिलने वाली जनसुविधाओं को बेहतर व व्यवस्थित पाया। अधिकारियों को अपने बीच पाकर स्थानीय नागरिकों ने भी व्यवस्थाओं को लेकर अपने सकारात्मक फीडबैक साझा किए।

मंडी मदार टेकरी के पास स्वयं खड़े होकर लगवाई झाड़ू

निरीक्षण के दौरान जब निगमायुक्त और अपर आयुक्त मंडी मदार टेकरी के पास पहुंचे, तो वहां कुछ स्थानों पर गंदगी देखकर उन्होंने तत्परता दिखाई। अधिकारियों ने अपनी मौजूदगी में वहां सफाई कर्मचारियों से झाड़ू लगवाई और पूरे परिसर को साफ कराया। इस अवसर पर निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि सफाई केवल कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है। शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रशासनिक कड़ाई और जनभागीदारी दोनों बेहद जरूरी हैं।

गंदगी फैलाने वालों पर 500 रुपए का जुमार्ना, दी सख्त हिदायत

सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम अब पूरी तरह मुस्तैद है। निरीक्षण के दौरान जिन दुकानदारों द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाई जा रही थी, उन पर अधिकारियों ने तत्काल ?500 का जुमार्ना ठोंका। साथ ही सभी दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सख्त हिदायत दी गई कि वे अपनी दुकानों के बाहर डस्टबिन अवश्य रखें और कचरा सड़क पर न फेंकें। ऐसा न करने पर आगे और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण का संदेश अलग-अलग वाहनों के बजाय एक ही वाहन का उपयोग कर कार्बन फुटप्रिंट कम करने और ईंधन बचाने का संदेश दिया। गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ मौके पर ही जुमार्ने की कार्रवाई। नगर निगम के आयुक्त और अपर आयुक्त की इस साझा मुहिम और जमीनी स्तर पर की गई कार्रवाई की शहर के प्रबुद्ध जनों और नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

सफाई व्यवस्था में वरदान साबित हो रहा है कठौंदा का सीएंडडी प्लांट, मलबे से बन रहे पेवर ब्लॉक, नागरिकों को मिल रही राहत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मलवा मुक्त बनाने की दिशा में जबलपुर नगर निगम का एक अनोखा प्रयास अब शहर के लिए वरदान साबित हो रहा है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कठौंदा स्थित श्कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट ने शहर की सफाई व्यवस्था को एक नई और आधुनिक दिशा दी है। कभी शहर के चैराहों, सड़कों और खाली प्लॉटों में सिरदर्द बनने वाला निर्माण कार्य का मलबा (सीएंडडी वेस्ट) अब न केवल रीसायकल हो रहा है, बल्कि शहर के विकास में दोबारा काम आ रहा है।

मलबे से सज रहे शहर के फुटपाथ

इस प्लांट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ शहरभर से कलेक्ट किए गए मलबे ईंट, पत्थर, कंक्रीट को वैज्ञानिक पद्धति से प्रोसेस किया जाता है। इस मलबे को रीसायकल करके बेहद मजबूत और आकर्षक पेवर ब्लॉक और ब्रिक्स इंटें तैयार की जा रही हैं। नगर निगम इन पेवर ब्लॉक्स का उपयोग शहर के विभिन्न वार्डों में फुटपाथ निर्माण, पार्कों के सौंदर्यीकरण और सड़कों के किनारे खाली जगहों को व्यवस्थित करने के लिए बड़े पैमाने पर कर रहा है। इससे जहाँ एक तरफ डंपिंग साइट्स पर मलबे का बोझ कम हुआ है, वहीं दूसरी तरफ शहर की सड़कें और फुटपाथ साफ-सुथरे नजर आने लगे हैं।

आम जनता को भी सस्ती दरों पर मिल रहे पेवर ब्लॉक

यह प्लांट न सिर्फ नगर निगम के सरकारी प्रोजेक्ट्स को पूरा कर रहा है, बल्कि जबलपुर के आम नागरिकों के लिए भी बेहद मददगार साबित हो रहा है। बाजार में मिलने वाले पेवर ब्लॉक की तुलना में कठौंदा प्लांट में तैयार ब्लॉक्स काफी सस्ती दरों पर आम जनता के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोई भी नागरिक अपने घर के आंगन, पार्किंग एरिया या निजी निर्माण के लिए यहाँ से किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता वाले पेवर ब्लॉक खरीद सकता है।

पर्यावरण और सफाई व्यवस्था के लिए गेम चेंजर

कठौंदा का यह सीएंडडी प्लांट जबलपुर के लिए एक श्गेम चेंजरश साबित हुआ है, जिसके कई फायदे एक साथ देखने को मिल रहे हैं। सफाई व्यवस्था में सुधार सड़कों के किनारे मलबे के ढेर लगने की समस्या से मुक्ति मिली है। मलबे को रीसायकल करने से प्राकृतिक संसाधनों (जैसे गिट्टी और रेत) का खनन कम होता है, जिससे पर्यावरण को सीधा फायदा पहुँच रहा है। कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलकर जबलपुर नगर निगम आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस प्लांट की क्षमता और कार्यप्रणाली से न केवल जबलपुर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार हो रहा है, बल्कि यह प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत मिशनश के ष्वेस्ट टू वेल्थ (कचरे से कंचन) के सपने को पूरी तरह धरातल पर उतार रहा है। अब शहरवासियों को भी इस व्यवस्था का लाभ उठाना चाहिए और मलबे को यहाँ-वहाँ फेंकने के बजाय निगम के सहयोग से इस प्लांट तक पहुँचाने में मदद करनी चाहिए।

स्वच्छता अभियान में छात्र छात्राओं की भागीदारी, फीडबैक देने आगे आ रहे हैं सभी वर्गों के लोग

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की 160 छात्राओं ने दिया स्वच्छता फीडबैक

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान को गति देने और शहर को स्वच्छता के शिखर पर ले जाने के उद्देश्य से जबलपुर नगर निगम द्वारा एक विशेष जागरूकता एवं फीडबैक कार्यक्रम का आयोजन शहर में लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के कुशल निर्देशन में यह कार्यक्रम जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज राँझी में संपन्न हुआ, जिसमें कॉलेज की 160 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अपना अमूल्य फीडबैक दर्ज कराया।

छात्र-छात्राओं से संवाद और महत्व पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर अरविंद शाह ने इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे युवा शक्ति शहर की रैंकिंग और उसकी सूरत बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता ऐप का उपयोग करने और अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखने के लिए प्रेरित किया। इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम और कॉलेज प्रबंधन की पूरी टीम मुस्तैद नजर आई। इस अवसर पर राजीव चंडोक प्रिंसिपल, जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज जिन्होंने युवाओं को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मनीष तड़से उद्यान अधिकारी सौरभ उपयंत्री आनंद मिश्रा राजस्व अधिकारी नरेश शर्मा संभागीय अधिकारी, नरेंद्र सिंह ठाकुर राजस्व निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। कॉलेज परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर छात्राओं में खासा उत्साह देखा गया। 160 छात्राओं ने न केवल फीडबैक फॉर्म भरे, बल्कि यह संकल्प भी लिया कि वे स्वयं जागरूक रहकर अपने परिवार और समाज को भी स्वच्छता के प्रति सचेत करेंगी। कॉलेज के प्रिंसिपल श्री राजीव चंडोक ने नगर निगम के इस प्रयास की सराहना की और आश्वस्त किया कि इंजीनियरिंग कॉलेज का हर छात्र शहर को नंबर वन बनाने में अपना योगदान देगा।

जबलपुर नगर निगम ने हासिल की एक और बड़ी उपलब्धि,पीएम स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगरीय विकास और जन-कल्याण के क्षेत्र में जबलपुर नगर निगम ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि पी.एम. स्वनिधि 2.0 योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जबलपुर ने देश भर के बड़े शहरों 10 लाख से 40 लाख तक की जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवमयी उपलब्धि पर मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के आयुक्त संकेत भोंडवे ने जबलपुर के निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार को विशेष अर्धशासकीय प्रशंसा-पत्र भेजकर पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने अपने पत्र में जबलपुर नगर निगम द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किए गए जमीनी प्रयासों की खुलकर सराहना की है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि जबलपुर निगम द्वारा सूक्ष्म स्तर पर सतत अनुश्रवण योजना की हर स्तर पर बारीकी से समीक्षा की गई। स्ट्रीट वेंडर्स व्यवसायियों को बिना किसी देरी के समय पर ऋण उपलब्ध कराया गया। शहर के कोने-कोने में जागरूकता अभियान चलाकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाया गया। छोटे दुकानदारों को डिजिटल भुगतान से जोड़कर उन्हें आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने में उत्कृष्ट कार्य किया गया। आयुक्त नगरीय प्रशासन ने प्रशंसा-पत्र में लिखा है कि जबलपुर नगर निगम द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी कार्यकुशलता, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया गया है, जो प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों के लिए भी पूरी तरह अनुकरणीय है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी जबलपुर निगम इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करते हुए अपने निकाय को प्रदेश और देश स्तर पर हमेशा अग्रणी बनाए रखेगा।

तेल ग्रंथियों के बंद होने से चेहरे पर होते हैं मुंहासे

चेहरे पर पिंपल्स होने से सिर्फ सुंदरता पर ही प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि तनाव भी बढ़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारा ध्यान बार-बार अपने चेहरे पर हो रहे पिंपल्स पर जाता है। इसे लेकर हम बार-बार परेशान होने लगते हैं और सारा ध्यान पिंपल्स की ओर हो जाता है। इसे छुटकारा पाने के लिए उपाय और सही डाइट को भी अपनाने लगते हैं। लेकिन इसके होने के कारण के बारे में जानने की कोशिश नहीं करते हैं। क्या आपने कभी ये सोचा है कि इनकी वजह क्या हो सकती है? क्यों ये बार-बार चेहरे पर अपना कब्जा कर लेते हैं?

तेल ग्रंथियों के बंद होने से मुंहासे

दरअसल, चेहरे से अपने आप तेल निकलता है जो त्वचा को बैलेंस रखता है। त्वचा से निकलने वाले तेल से कीटाणुओं से बचाव होता है और त्वचा मुलायम रहती है। टीनएज में चेहरे से काफी ज्यादा तेल निकलता है जिसके कारण तेल ग्रंथियों का मुंह बंद हो जाता है। ऐसे में तेल को बाहर निकलने की जगह नहीं मिलती है और वो त्वचा के नीचे इकट्ठा होने लगता है। जिससे कीटाणु होने लगते हैं और उस जगह दर्दनाक दानों जैसे मुंहासे होने लगते हैं।

तेल ग्रंथियों का मुंह कैसे खोलें?

1. रोजाना दिन में कम से कम 6 बार चेहरे को ठंडे पानी से धोएं।

2. चेहरे पर हल्दी, नीम और काली मिर्च का पेस्ट बनाकर लगाएं।

3. चेहरे पर कैलामाइन लोशन लगाने से त्वचा के बंद छिद्रों को खोला जा सकता है।

4. चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी, पुदीने के पत्ते और नींबू का रस का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं।

इन गलत चयन से हो सकते हैं मुंहासे

फेसवॉश- त्वचा से ज्यादा तेल निकलने का कारण पिंपल्स होते हैं। इसलिए हमेशा ऑयल फ्री फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इसमें आप सैलिसाइलिक एसिड वाले फेसवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तरह के फेसवॉश एंटी बैक्टीरियल होते हैं। इनसे चेहरा

डेड स्किन मुक्त होता है और त्वचा के बंद छिद्र खुलते हैं।

फाउंडेशन- यूं तो फाउंडेशन त्वचा के टोन के मुताबिक लेना चाहिए। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन सैलिसाइलिक एसिड युक्त और तेल मुक्त भी होना चाहिए।

पिंपल्स हटाने के घरेलू नुस्खे

पिंपल्स को घरेलू नुस्खों से दूर किया जा सकता है। इन नुस्खों को बताने वाले कहते हैं कि ये त्वचा के बंद पोर्स को खोलने में मदद करते हैं। साथ त्वचा को पहले की तरह मुलायम बनाते हैं। इनसे चेहरे की गंदगी साफ होती है और कीटाणु दूर होते है, आइए आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताते हैं। मुल्तानी मिट्टी- त्वचा का ख्याल रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी को वरदान माना जाता है। इसके अलावा ये चेहरे से पिंपल्स को दूर करने के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की गंदगी और अत्याधिक तेल को हटाया जा सकता है। इसके फायदे के लिए रोजाना अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल मिक्स करके लगाएं। इससे चेहरे पर हो रहे पिंपल्स गायब हो जाएंगे। एलोवेरा जेल- कई आयुर्वेदिक गुणों वाले एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से पिंपल्स को दूर किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोगियों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। विटामिन ई कैप्सूल को एलोवेरा जेल में मिलाकर चेहरे पर लगाएं, इस पेस्ट को रोजाना रात में सोने से पहले लगाने से त्वचा को कई लाभ होते हैं। साथ ही चेहरा दाग-धब्बे मुक्त भी होता है।नीम फेसपैक- एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों वाला नीम एक बेहद प्रभावी औषधि है। पिंपल्स दूर करने के लिए नीम को पीसकर उसमें शहद और एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस तरह से बने फेसपैक को अपने चेहरे पर लगा लें। नीम आइस क्यूब- चेहरे से पिंपल्स को दूर करने के लिए नीम आइस क्यूब भी काफी फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए नीम को अच्छे से पीस लें। इसके बाद इसे आइस ट्रे में डालकर बर्फ जमने के लिए छोड़ दें। दिन में एक से दो बार इसके एक क्यूब को निकालकर फेस पर अप्लाई करें।

भगवान विष्णु के शयन मुद्रा में जाते ही सारे शुभ कार्य हो जाते हैं स्थगित

देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक यानी की चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है जो देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक होता है जिसे हम चतुर्मास की शुरुआत हो ना कहते हैं इस दिन भगवान विष्णु का शयनकाल आरंभ होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस तिथि से ही भगवान विष्णु पाताला लोक में विश्राम के लिए प्रस्थान करते हैं।

हिंदी महीनों के सभी महीने अपने आप में खास होते हैं पर धार्मिक दृष्टि से आषाढ़ मास की विशेषता बढ़ जाती है। आषाढ़ मास अब लगभग अपने समापन की ओर है आषाढ़ मास अब समापन की तरफ बढ़ रहा है कहा जाता है कि आषाढ़ मास में भगवान विष्णु की पूजा को विशेष पुण्य बताया गया है एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है इसीलिए आषाढ़ मास की एकादशी तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है। आषाढ़ मास की आखिरी यानि शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी कहा जाता है।

काशी में देवशयनी एकादशी का महत्व

धर्म की नगरी वाराणसी में हरि सहनी एकादशी का महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि यहां पर अस्सी

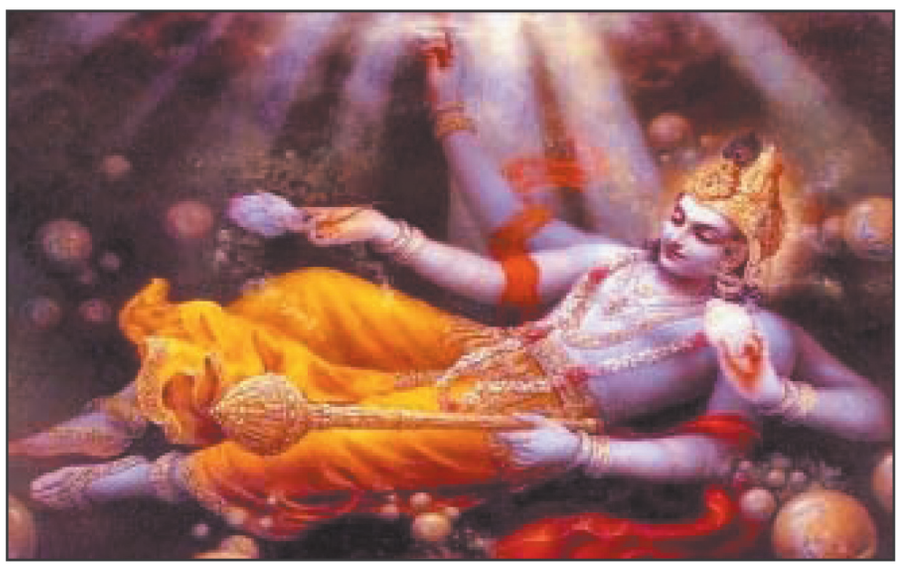

क्षेत्र में स्थित भगवान विष्णु की शयन मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। मंदिर के पुजारी का कहना है, कि पूरे उत्तर भारत में इकलौता काशी में ऐसा पवित्र स्थल देखने को मिलता है जहां भगवान की शयन मुद्रा में प्रतिमा विराजमान है पुजारी का कहना है कि इस लेटी हुई प्रतिमा के दर्शन मात्र से ही भक्तों के सारी मनोकामना पूर्ण होते हैं साथ ही भक्तों पर माता लक्ष्मी की असीम अनुकंपा होती है हरीशयनी एकादशी पर भगवान के 4 महीने सो जाने के बाद सारे पवित्र कार्य स्थगित हो जाएंगे जैसे शादी विवाह जैसे कार्य जनेऊ संस्कार मुंडन आदि।

देवशयनी एकादशी का महत्व

देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक यानी की चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है जो देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक होता है जिसे हम चतुर्मास की शुरुआत हो ना कहते हैं इस दिन भगवान विष्णु का शयनकाल आरंभ होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस तिथि से ही भगवान विष्णु पाताला लोक में विश्राम के लिए प्रस्थान करते हैं। भगवान विष्णु का शयनकाल देवउठनी एकादशी को समाप्त होता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार 19 जुलाई 2021, सोमवार से आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ होगा पर देवशयनी एकादशी का व्रत 20 जुलाई 2021, मंगलवार को रखा जाएगा। इसके साथ ही देवशयनी एकादशी व्रत का पारण अगले दिन यानि 21 जुलाई 2021, बुधवार के दिन द्वादशी की तिथि को किया जाएगा.

चातुर्मास कब से शुरू हैं?

पंचांग के अनुसार चातुर्मास का आरंभ इस वर्ष 20 जुलाई से होगा और समापन 14 नवंबर को होगा. चातुर्मास में शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। चातुर्मास में शादी-विवाह, मुंडन आदि जैसे कार्य नहीं किए जाते हैं।

पिएंगे किशमिश का पानी तो स्वास्थ्य को होंगे कई चमत्कारी लाभ

किशमिश ना सिर्फ खाने में अच्छी लगती है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। किशमिश का इस्तेमाल खीर या हलवा बनाने में किया जाता है। कई लोग किशमिश को रात भर पानी में भिगोकर सुबह इसका सेवन करते हैं। सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खाने से कई तरह की स्वास्थ्य लाभ होते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। क्या आप जानते हैं कि ना केवल भीगी हुई किशमिश खाने से, बल्कि इसका पानी पीने से भी स्वास्थ्य को कई फायदे होते हैं। वहीं, किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से इसका लाभ दोगुना हो जाता है। यह एक बेहतरीन डीटॉक्स वॉटर की तरह काम करता है और कई तरह से स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। आज के इस लेख में हम आपको किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने के फायदे बताने जा रहे हैं -

पेट संबंधी समस्याएं दूर होती हैं

किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से बॉडी डिटॉक्स होती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है जिससे पेट संबंधी समस्याओं में लाभ होता है। इस डिटॉक्स वॉटर को रोजाना पीने से कब्ज, अपच, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी पाचन संबंधी समस्याएँ दूर होती हैं। नींबू में मौजूद एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज़ से पेट के संक्रमण से बचाव होता है।

एनीमिया की शिकायत दूर होती है

किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से एनीमिया की समस्या दूर होती है। दरअसल, किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन मौजूद होता है जो खून में रेड ब्लड सेल्स के काउंट को बढ़ाने में मदद करता है। इस पानी को पीने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। इसके साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड प्रोड्यूस होता है जिससे शरीर में रक्त का संचार बेहतर ढंग से हो पाता है।

दाँत और हड्डियाँ मजबूत बनती हैं

किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीना हमारे दांतों और हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। दरअसल, किशमिश में भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है जिससे दांत और हड्डियां मजबूत होती

हैं। वहीं नींबू में मौजूद तत्व एक नेचुरल ब्लीचिंग एजेंट की तरह काम करते हैं जिससे दांतों का पीलापन दूर होता है। नियमित रूप से किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से दाँत साफ और मजबूत बनते हैं। किशमिश के पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। हाई बीपी के मरीजों के लिए भी किशमिश का पानी पीना बहुत लाभदायक है। दरअसल, किशमिश में पोटैशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इस पानी को रोजाना पीने से खून साफ होता है और शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

मेहमानों को मीठे में खिलाएं कश्मीरी हलवा

बकरीद पर अगर आप भी घर आए मेहमानों का मुंह मीठा करवाने के लिए कुछ अलग बनाना चाहती हैं तो ट्राई करें कश्मीरी हलवा।

यह एक कश्मीरी होममेड डेज़र्ट है जिसे पकाने में मुश्किल से आधा घंटा लगता है। यह सॉफ्ट, गर्मागर्म डेजर्ट बच्चों से लेकर बड़ों तक की ऑल-टाइम फेवरेट डिश है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाया जाता है कश्मीरी हलवा।

कश्मीरी हलवा बनाने की विधि-1.एक नॉनस्टिक पैन में 2-3 छोटे चम्मच घी डालें और ओट्स को धीमी आंच पर ?रंग बदलने तक फ्राई करें।

2.एक पैन में दूध और चीनी को उबाल आने तक पकाएं। एक बार जब दूध पूरी तरह उबल जाए तो इसमें फ्राई किया हुआ ओट्स डालें और लगातार चलाएं।

3.इसके बाद इसमें इलाइची पाउडर और बचा हुआ घी डालें।

4.इसमें अब केसर डालें। इसे तब तक चलाएं जब तक कि किनारों में इसका फर्क न दिखाई देने लगें।

5.आंच से उतार लें और इसे फ्राइड काजू और किशमिश से गार्निश करें।

6.गर्मगर्म सर्व करें।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे। दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हामीन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हामीन घ्रेलनि के स्तर को कम

करते हुए, भूख कम करने वाले हामीन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट वरुण कत्याल के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैगनीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते है। दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

सेहत व त्वचा के लिए फायदेमंद है आर्गन ऑयल, जानिए इसके फायदे

आर्गन ऑयल आयुर्वेद का दिया हुआ ऐसा तोहफा है जो न केवल त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है बल्कि स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भी भरपूर्ण है। इसलिए ये लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना भी कहलाता। इसमें ओमेगा फैटी एसिड, विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट मौजूद है। आगीनिया स्पीनोसा नामक पेड़ के फल के गूदे से घिरे हुए सख्त नट में मौजूद गुठलियों में आर्गन तेल निकाला जाता है।

बता दें कि आर्गन ऑयल भारत में नहीं बल्कि विदेशों में मौजूद हैं। जिसे पहले दुनिया भर में व्यापक तौर पर नहीं लिया जा सकता था। वहीं, अब अपने स्वास्थ्यवर्धक गुणों के कारण ये व्यापक के रूप में भी मिलने लगा है। जोकि सबसे ज्यादा मंहगे तेलों में से एक है।

आर्गन ऑयल जितना ज्यादा सेहत के लिए फायदेमंद उतना ही सुंदरता को बढ़ाने में भी लाभदायक है। इसका इस्तेमाल खाना बनाने के अलावा कई अन्य तरह से किया जाता है। आज हम आपको आर्गन ऑयल के कुछ ऐसे बेहतरीन फायदे बताने जा रहे हैं जिन्हें जानने के बाद आपके मन में भी इसे इस्तेमाल करने का ख्याल एक बार तो जरूर आएगा, आइए आपको इसके कुछ फायदों के बारे में बताते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को करे कंट्रोल

आर्गन ऑयल का खाना बनाने में इस्तेमाल करने से शरीर को कई लाभ होते हैं। ये हृदय के स्वास्थ्य का ख्याल रखता है। इसके अलावा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम कर अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता हैं। इस तेल से बने भोजन का सेवन करने से दिल का दौरा, कोलेस्ट्रॉल से जुड़े रोग, धमनियों का सख्त होने के अलावा अन्य रोगों से बचाव किया जा सकता है। अगर आप अपने दिल को स्वस्थ बनाएं रखना चाहते हैं तो अपना खाना आर्गन ऑयल से बना सकते हैं।

पाचन क्रिया को करें उत्तेजित

जिस तरह से सेहतमंद भोजन खाना जरूरी है, ठीक वैसे ही उस आहार का पचना भी काफी जरूरी है। दरअसल, पाचन क्रिया सही तरह से काम न करने पर शरीर आहार को सही तरह से प्रयोग नहीं कर पाता है जैसे उसे करना चाहिए। इसलिए आपके पाचन तंत्र का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप आर्गन ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद यौजिक तत्व हमारे पाचन क्रिया को सुधारने के साथ पोषक तत्वों के अंतर्ग्रहण को भी बढ़ा देता है।

त्वचा की सुंदरता बढ़ाए

आर्गन ऑयल के इस्तेमाल से त्वचा की सुंदरता बढ़ाई जा सकती है। इसका ये उपयोग बहुत प्रसिद्ध और प्रचलित माना जाता है। इसमें मौजूद ट्राइटरपेनॉइड नामक तत्व स्किन के लिए काफी लाभदायक है। इसलिए ये तेल दाग-धब्बे, स्ट्रेच मार्क्स, झुरिंयां समेत अन्य कोई भी त्वचा संबंधित समस्या का इलाज करता है। इस तेल से त्वचा के कोशिकाओं को पोषण मिलता है, त्वचा चमकदार होने के साथ सुंदर और जवां होती है।

बालों के लिए भी है फायदेमंद

आर्गन ऑयल के इस्तेमाल से बालों को भी सेहतमंद बनाएं रखा जा सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, फैटी एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट बालों के लिए काफी अच्छे होते हैं। बेचान, सूखे, क्षतिग्रस्त बालों को आर्गन तेल चमकदार और सिल्की बनाता है। इसके अलावा बालों का झड़नापन या नए बालों का उगना बंद समेत अन्य समस्याओं के लिए भी आर्गन ऑयल काफी फायदेमंद है। ये ऑयल स्कैल्प के लिए मॉइस्चराइजर का काम करता है और बालों के लिए कंडीशनर की तरह लाभकारी है।

कैंसर से हो सकेगा बचाव

आर्गन ऑयल को लेकर एक अध्ययन में पाया गया है कि इसमें मौजूद टोकोफेरोल्स कैंसर से बचाव करता है। इस तेल में एंटीऑक्सीडेंट्स और ट्राइटरपेनॉइड होता है जोकि कोशिकाओं को कैंसर से होने वाली क्षति से बचाता है। इसके अलावा ये तेल शरीर में हो रहे कैंसर या ट्यूमर के विकास पर भी राकथाम करता है। एक शोध की मानें तो ये तेल प्रोस्टेट और मूत्राशय का कैंसर के लिए भी काफी फायदेमंद है।

चोट पर आर्गन ऑयल के फायदे

अगर आपके कहीं घाव हो गया हो या चोट लग गई हो तो आप आर्गन ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण हैं जो चोट या घाव को भरने के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। हालांकि, इस तरह की समस्या को लेकर अभी और मानव अध्यय करने की जरूरत है।

छोटी बहन हुई रिजेक्ट तो बड़ी बहन की खुल गई किस्मत...

जान्हवी कपूर

को कैसे मिला 300 करोड़ी 'पेड्डी' में लीड रोल?

बॉलीवुड के साथ-साथ जान्हवी कपूर की साउथ में भी काफी डिमांड है. जान्हवी कपूर जल्द ही राम चरण की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' में 'अचियम्मा' के किरदार में नजर आएंगी. इससे पहले जान्हवी कपूर 'देवरा पार्ट 1' में जूनियर एनटीआर के साथ लीड रोल नजर आई थीं. अब 'पेड्डी' में भी जान्हवी का राम चरण के अपोजिट लीड रोल होगा. लेकिन ये बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर पहली पसंद नहीं थी, बल्कि मेकर्स इस मूवी में राम चरण के अपोजिट जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर को लेना चाहते थे. लेकिन आखिरी मूमेंट पर कुछ ऐसा हुआ कि मेकर्स को अपना फैसला बदलना पड़ा और उनके फैसले से जान्हवी कपूर की किस्मत चमक गई.

बुची बाबू सना के डायरेक्शन में बनी राम चरण और जान्हवी कपूर स्टारर 'पेड्डी' 4 जून को रिलीज होने वाली है. फिल्म के प्रमोशन के दौरान बुची ने खुलासा किया कि शुरू में लीड एक्ट्रेस का रोल जान्हवी की

बहन खुशी कपूर को ऑफर किया गया था, लेकिन किसी वजह से उन्हें इस रोल से हटा दिया गया. खुशी कपूर के रिजेक्ट होने के बाद ये फिल्म जान्हवी कपूर की झोली में आ गिरी और उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी.

खुशी को किया रिजेक्ट

एक हालिया बातचीत में बुची बाबू सना ने बताया कि उन्होंने खुशी को 'अचियम्मा' का रोल ऑफर किया था, लेकिन उन्हें लगा कि वो इस रोल के लिए बहुत छोटी हैं. डायरेक्टर ने कहा, शुरुआत में मैंने खुशी कपूर को फिल्म की कहानी सुनाई थी. लेकिन जब मैंने उनसे आमने-सामने मुलाकात की, तो मुझे एहसास हुआ कि वो इस किरदार के लिए बहुत छोटी हैं. अब जरा सोचिए कि जब मुझे खुशी को मना करके, उसी घर में जान्हवी को कहानी सुनानी पड़ी, तो मुझे कैसा लगा होगा. मुझे बहुत बुरा लगा और मैंने जान्हवी से पूछा कि कहीं खुशी को इस बात का बुरा तो नहीं लगा.

फिर जान्हवी की चमकी किस्मत

बुची बाबू सना ने आगे कहा, मैंने जान्हवी को समझाया कि मैंने उनकी बहन को क्यों रिजेक्ट किया. मैंने खुशी की तरफ देखा, उसे 'हाय' कहा और बोला, 'मुझे इस फिल्म में तुम नहीं, तुम्हारी बहन चाहिए.' लेकिन सिनेमा के लिए ऐसी चीजें करनी पड़ती हैं. शुरू से ही मुझे पता था कि ये रोल जाह्नवी पर ही जंचेगा. जब मैं दूसरों को कहानी सुना रहा था, तब भी मैं इस रोल में जान्हवी को ही इमेजिन कर रहा था.

Golmaal 5 में होगी टक्कर, इस मामले में अक्षय कुमार के सामने कहीं नहीं टिकते अजय देवगन!

अक्षय कुमार और अजय देवगन को फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए लगभग 4 दशक का समय हो गया है. इस दौरान दोनों सुपरस्टार ने अपने दमदार अभिनय से फैंस का मनोरंजन भी किया है और अभी भी दोनों ने ये कमाल संभाली हुई है. लेकिन खास बात तो ये है कि दोनों स्टार्स ने कई मौकों पर साथ में भी काम किया है और अपनी जबरदस्त बॉन्डिंग से फैंस को हैरान किया है. उनकी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है.

दोनों की फिल्म गोलमाल 5 की अनाउंसमेंट हो हई है और ये फिल्म साल 2027 में रिलीज की जाएगी. फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी गई है. गोलमाल बॉलीवुड की सबसे पुरानी और सक्सेसफुल फिल्म फ्रेंचाइजी में से एक है. फिल्म में अजय देवगन तो लंबे वक्त से जुड़े हुए हैं लेकिन इसी के साथ अब अक्षय कुमार की भी इस फिल्म फ्रेंचाइजी में एंट्री हो गई है. इससे पहले आइए जानते हैं कि अक्षय कुमार और अजय देवगन की अब तक कई सारी फिल्में ऐसी रही हैं जो सिनेमाघरों में अब तक आई हैं और इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर हाल कैसा रहा है.

अक्षय कुमार-अजय देवगन की जोड़ी

अक्षय कुमार और अजय देवगन की साथ में पहली फिल्म सुहाग थी जो साल 1994 में आई थी. फिल्म ने उस दौर में 12 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी और ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. वहीं 10 साल के अंतराल के बाद 2004 में दोनों की फिल्म खाकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने भी ठीक-ठाक कलेक्शन किया था और सेमी हिट रही थी. साल 2005 में आई फिल्म इंसान की बात करें तो सिनेमाघरों में ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी थी और फ्लॉप साबित हुई थी.

इसके बाद लंबे अंतराल के बाद ये दोनों सुपरस्टार किसी फिल्म में साथ नजर आए थे. 16 साल के अंतराल के बाद दोनों की फिल्म सूर्यवंशी सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी. इस फिल्म में अक्षय कुमार का लीड रोल था और अजय देवगन इसमें कैमियो रोल में दिखे थे. फैंस ने दोनों की इस जोड़ी को सिनेमाघरों में काफी पसंद किया था और फिल्म हिट रही थी. इस फिल्म ने करीब 300 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके अलावा दोनों की साथ में आई पिछली फिल्म की बात करें तो दोनों 2024 में सिंघम अगेन फिल्म में दिखे थे. इस फिल्म की खास बात ये थी कि ये बड़े बजट में बनी थी और मल्टीस्टारर फिल्म थी. तभी तो बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ से ज्यादा कमाने के बाद भी ये फिल्म सेमी हिट का तबगा ही हासिल कर सकी थी.

मैं नीचे गिर गया... सलमान खान ने सुनाया शूटिंग का सबसे खौफनाक हादसा, मौत के करीब पहुंचे थे एक्टर

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान अपनी फिल्मों में दमदार एक्शन और खतरनाक स्टंट्स के लिए जाने जाते हैं. पर्दे पर कई बार उन्हें ऊंचे पहाड़ों से छलांग लगाते, तेज रफ्तार बाइक चलाते और जान जोखिम में डालने वाले सीन करते देखा गया है. लेकिन, हाल ही में सलमान खान ने अपने करियर के एक ऐसे खौफनाक हादसे का खुलासा किया, जिसे सुनकर उनके फैंस भी हैरान रह गए. अभिनेता ने बताया कि एक फिल्म की शूटिंग के दौरान वह मौत के बेहद करीब पहुंच गए थे और बस एक छोटी सी गलती उनकी जान ले सकती थी.सलमान खान फिल्मी दुनिया के सुपरस्टार के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं. इन दिनों वो अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं. हालांकि, इसी दौरान एक्टर का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने करियर के पुराने वक्त को लेकर खुलासा किया है. एक्टर ने अपने पुराने स्टंट्स को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान कई बार ऐसी स्थिति बनी, जब हादसा बेहद खतरनाक हो सकता था और उन्हें वो पल मौत के करीब का लगा था.

बैलेंस बिगड़ने से हुई थी दिक्कत

एक्टर ने वैरायटी इंडिया से बातचीत में खासतौर पर उडुपी में शूट किए गए एक सीन का जिक्र किया, जहां उन्हें पहाड़ के बेहद करीब खतरनाक स्टंट करना था. सलमान ने बताया कि उस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ गया था और वो पहाड़ से नीचे गिरने लगे थे. एक्टर के मुताबिक उनका बाल तक पहाड़ से छू गया था और कुछ सेकंड के लिए सेट पर मौजूद सभी लोगों की सांसें थम गई थीं. सलमान ने बताया कि वो उडुपी में फिल्म 'जागृति' की शूटिंग कर रहे थे.

पहाड़ से लगानी थी छलांग

सलमान खान ने शूटिंग के दौरान का किस्सा शेयर करते हुए बताया कि उडुपी में 80 फुट ऊंचा एक पहाड़ था, जिसका बीच का हिस्सा बाहर निकला हुआ था. उस पहाड़ से एक्टर को छलांग लगाना था. उन्होंने बताया कि हमें कूदने के लिए एक या दो बक्से मिलते थे, लेकिन ये एक ऊंची छलांग थी इसलिए, उन्होंने मेरे लिए बक्सों की तीन परतें लगाईं और उनके ऊपर एक गद्दा बिछा दिया था.

कंकड़ की वजह से फिसला पैर

सलमान ने कहा, जब मैंने नीचे से उसे देखा, तो मुझे लगा कि हां, मैं यह छलांग लगा सकता हूं. क्योंकि पहाड़ का बीच का हिस्सा बाहर निकला हुआ था. उन्होंने बताया कि पहले वो इस स्टंट से पीछे हटना चाहते थे, लेकिन वहां पर काफी लोग इकट्ठा हो चुके थे और अपनी इगो के बारे में सोचते हुए उन्होंने छलांग लगाने की ठानी. हालांकि, इसी दौरान कंकड़ पर दौड़ते हुए एक्टर का पैर फिसला और उन्होंने बैलेंस खो दिया.

मौनी रॉय के तलाक की खबरों के बीच क्यों घसीटा गया

दिशा पाटनी

का नाम? सोशल मीडिया पर लोग बोल रहे- होम ब्रेकर

टीवी और बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार ने अलग होने का फैसला लिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई. लेकिन, सबसे ज्यादा हैरानी लोगों को तब हुई, जब इस पूरे मामले में एक्ट्रेस दिशा पाटनी का नाम घसीटा जाने लगा. बिना किसी जानकारी के सोशल मीडिया यूजर्स ने दिशा पाटनी को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कई लोगों ने उन्हें होम ब्रेकर तक कह डाला.

मौनी रॉय और सूरज नांबियार के अलग होने की खबर तब लोगों के सामने आने लगी, जब दोनों ने एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था. बाद में दोनों ने पोस्ट शेयर करते हुए अलग होने की खबर को क्लियर कर दिया. ये बात सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं. इसी बीच लोगों का ध्यान इस बात पर गया कि दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर सूरज नांबियार को अनफॉलो कर दिया है. जिसके बाद इंटरनेट पर तरह तरह की कहानियां बनाई जाने लगीं और कुछ यूजर्स ने दिशा को इस रिश्ते के टूटने की वजह बताना शुरू कर दिया.

दिशा पर साधा निशाना

सोशल मीडिया पर दिशा पाटनी की पोस्ट्स पर लगातार गलत कमेंट्स किए जाने लगे. कुछ लोगों ने लिखा कि उन्होंने मौनी और सूरज के बीच लड़ाई करवाई, तो कुछ यूजर्स ने सीधे उन्हें रिश्ते टूटने की वजह बता दिया. कई कमेंट्स इतने तीखे थे कि लोगों ने दिशा को घर तोड़ने वाली तक कह दिया. हालांकि, अब तक ऐसा कोई भी सबूत सामने नहीं आया है, जिससे ये साबित हो कि दिशा पाटनी का मौनी रॉय और सूरज नांबियार के रिश्ते टूटने से कोई लेना देना है.

क्या है पूरा मामला ?

असल में दिशा पाटनी और मौनी रॉय लंबे समय से बेहद अच्छी दोस्त मानी जाती हैं. दोनों कई बार साथ में छुट्टियां मनाते, पार्टी करते और सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते नजर आए हैं. यही वजह है कि जैसे ही दिशा के अनफॉलो करने की खबर सामने आई, लोगों ने अपनी तरफ से कहानियां बनानी शुरू कर दीं. मामला इतना बढ़ गया कि मौनी रॉय को अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स पर कमेंट सेक्शन तक बंद करना पड़ा.

गुरंडी बाजार में देर रात भीषण आग, प्लास्टिक और टायर गोदाम से उठी लपटों ने कई दुकानों को लिया चपेट में

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के गुरंडी बाजार क्षेत्र में सोमवार देर रात अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दर्शन चौक के पास गल्ला मार्केट के समीप स्थित प्लास्टिक ड्रम और टायर गोदाम में लगी आग ने देखते ही देखते आसपास की कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा क्षेत्र धुएं और आग की लपटों से भर गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और बाजार क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार रात करीब साढ़े 11 बजे से 12 बजे के बीच अचानक प्लास्टिक ड्रम और कबाड़ सामग्री से भरे गोदाम में आग भड़क उठी। गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री और टायर रखे होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। कुछ ही समय में आग ने आसपास की करीब छह से सात दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शी शेख आरिफ ने बताया कि सबसे पहले प्लास्टिक ड्रम और कुप्पी की दुकान से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास की दुकानों तक फैल गई। आग की ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग सक्रिय हुआ और एक के बाद एक दमकल वाहन मौके पर पहुंचने लगे। चूंकि आग

गल्ला मार्केट के बेहद करीब लगी थी, इसलिए प्रशासन को आशंका थी कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया तो पूरा बाजार इसकी चपेट में आ सकता है। इसी को देखते हुए दमकल कर्मियों ने पूरी रात आग बुझाने के लिए मशक्कत की। दमकल विभाग के उप अधीक्षक नीलेश पाटीदार ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल पांच दमकल वाहन मौके पर रवाना किए गए थे। आग मुख्य रूप से कबाड़ और प्लास्टिक सामग्री से भरे गोदाम में लगी थी। गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामान और टायर रखे होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी और उस पर नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा था। उन्होंने बताया कि बाजार क्षेत्र की गलियां संकरी और अव्यवस्थित होने के कारण दमकल वाहनों को अंदर पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई दुकानों के टीन शेड होने के कारण भी आग तेजी से फैलती चली गई। करीब चार से पांच घंटे की लगातार मशक्कत के बाद सुबह लगभग छह बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी और क्षेत्र को घेरकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आ सकेगा। आगजनी में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक लाखों रुपये की सामग्री जलकर राख हो गई है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुरंडी बाजार अग्निकांड के बाद फिर उठी अवैध कबाड़ गोदाम हटाने की मांग

गुरंडी बाजार में देर रात हुए भीषण अग्निकांड के बाद एक बार फिर क्षेत्र में संचालित अवैध कबाड़ गोदामों को हटाने की मांग तेज हो गई है। बाजार के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि कबाड़ और प्लास्टिक सामग्री से भरे गोदाम लगातार बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि गुरंडी बाजार और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध रूप से कबाड़ गोदाम संचालित हो रहे हैं। इन गोदामों में प्लास्टिक, टायर, ड्रम और अन्य ज्वलनशील सामग्री भारी मात्रा में जमा रहती है, जिससे आग लगने की घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। इसके बावजूद नगर निगम और संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। व्यापारियों ने बताया कि बाजार क्षेत्र की गलियां पहले से ही बेहद संकरी हैं और ऐसे में कबाड़ गोदामों के कारण स्थिति और खतरनाक हो जाती है। सोमवार देर रात लगी आग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यदि समय रहते ऐसे गोदाम नहीं हटाए गए तो भविष्य में और भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह पहला मामला नहीं है जब कबाड़ गोदाम में आग लगी हो। इससे पहले भी कई बार छोटे-बड़े अग्निकांड हो चुके हैं, लेकिन हर बार कुछ दिनों तक चर्चा होने के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण बाजार क्षेत्र हमेशा खतरे के साए में जी रहा है। व्यापारियों ने मांग की है कि घनी आबादी और व्यस्त बाजार क्षेत्रों से अवैध कबाड़ गोदामों को तत्काल हटाया जाए तथा अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही जिन गोदामों में ज्वलनशील सामग्री रखी जाती है, वहां नियमित निरीक्षण और सुरक्षा जांच भी अनिवार्य की जाए। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो किसी दिन बड़ा जनहानि वाला हादसा हो सकता है। फिलहाल गुरंडी बाजार अग्निकांड के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और व्यापारी अपने नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं।

बलदेवबाग चौक के पास पेट्रोल पंप के समीप मिला अधेड़ का शव, हार्ट अटैक से मौत की आशंका

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के बलदेवबाग चौक स्थित एक पेट्रोल पंप के पास सोमवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। लॉर्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य ने बताया कि सुबह करीब छह बजे स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि बलदेवबाग स्थित अग्रवाल पेट्रोल पंप के

समीप एक व्यक्ति सड़क किनारे पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जब लोगों ने पास जाकर देखा तो व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। मृतक के शरीर पर हल्के चोट के निशान भी दिखाई दिए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में संदेह की स्थिति बन गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी मौके पर बुलाया। प्रारंभिक जांच और परिस्थितियों के आधार पर विशेषज्ञों ने हार्ट अटैक को मौत की संभावित वजह बताया है। हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने मृतक की पहचान हरदौल मंदिर कोतवाली निवासी 56 वर्षीय गुरु यादव के रूप में की है। बताया गया है कि गुरु यादव बलदेवबाग क्षेत्र के समीप स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत थे। परिजनों से पूछताछ में जानकारी मिली कि वह रविवार रात घर से काम पर जाने के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। शव देखकर परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है तथा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

लू से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जन.समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचने के लिए एडवायजरी जारी की गई है। एडवाइजरी में जन सामान्य को लू से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला गया है। एडवाइजरी के मुताबिक पानी, छांछ, ओआरएस का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, आम का पना का सेवन करने से लू से बचा जा सकता है। इसके साथ ही धूप में निकलते समय सिर ढककर रखना चाहिए। धूप में निकलते समय कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करना चाहिए। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सूर्य दाह या सनबर्न होने पर प्रभावित को त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, सिरदर्द के लक्षण प्राप्त होने पर उसे बार.बार नहलाना चाहिए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज ड्रेसिंग करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए। ताप के कारण शारीरिक ऐठन, पैर एवं पेट की मांसपेशियों तथा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफ और अत्यधिक पसीना आने पर प्रभावित को तत्काल छाँवदार स्थल पर ले जाना चाहिए। शरीर का वह भाग जहां ऐंठन हो रही होए उसे जोर से दबाना चाहिए और धीरे.धीरे सहलाना चाहिए। लू लगाने पर प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना भी पिलाया जा सकता है। इस दौरान प्रभावित को उबकाई आने पर शीतल पेय पिलाना तुरंत बंद कर देना चाहिए और उसे फौरन नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जाना चाहिए। इसके अलावा अत्यधिक थकावट एवं शारीरिक खिंचाव का अनुभव होने की स्थिति में प्रभावित को अत्यधिक पसीना, कमजोरी, सिरदर्द, शरीर ठंडा और पीला पड़ जाने एवं नब्ज कमजोर पड़ जाने, मूर्छित हो जाने और उल्टी जैसे लक्षण प्राप्त होने पर प्रभावित को छायादार स्थल पर लिटा कर शरीर पर ठंडे और गीले कपड़े से स्पंजिंग करना चाहिए। यदि संभव हो तो उसे वातानुकूलित कमरे में ले जाना चाहिए। तापदाह (हीट स्ट्रोक) की स्थिति में अत्यधिक बुखार, अत्यधिक गर्म एवं सूखी त्वचा, तेज नब्ज या बेहोशी पर तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुँचाना चाहिए और प्रभावित को डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

जबलपुरझमंडला एनएच-30 पर खड़े ट्रक से टकराया कंटेनर, दर्दनाक सड़क हादसे में दोनों चालकों की मौत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नेशनल हाईवे-30 पर टिकरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चिरी घाट के पास मंगलवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार कंटेनर एक खड़े ट्रक से जा टकराया, जिससे दोनों वाहनों के चालकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया और क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 22 जे 6075 जबलपुर से मंडला की ओर जा रहा था। रास्ते में वाहन का टायर पंचर हो जाने पर चालक ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और टायर बदलने का काम कर रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा कंटेनर क्रमांक आरजे 11 जीसी 8798 सीधे खड़े ट्रक से जा भिड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। कंटेनर चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया, जबकि ट्रक के नीचे काम कर रहे चालक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दोनों वाहनों में फंसे चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे पुलिस टीम के साथ

मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर दोनों शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज भेज दिया। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिसे पुलिस ने वाहनों को हटवाकर सामान्य कराया। पुलिस ने बताया कि दोनों मृतकों की पहचान की प्रक्रिया की जा रही है और संबंधित वाहन मालिकों व परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ढलान और तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

अगासौद गांव में आवारा कुत्तों का आतंक, घर में घुसकर दो मासूम बहनों पर हमला, इलाके में दहशत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पाटन थाना क्षेत्र के अगासौद गांव में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गर्मी के मौसम में जहां एक ओर ग्रामीण परेशान हैं, वहीं अब यह समस्या लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। सोमवार को गांव में हुई दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया, जब एक आवारा कुत्ते ने घर में घुसकर दो मासूम सगी बहनों पर हमला कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार सुलोचना भवेड़ी अपने परिवार के साथ गांव में रहती हैं और मजदूरी कर घर चलाती हैं। घटना के समय वह घर के अंदर काम में व्यस्त थीं, जबकि उनकी तीन वर्षीय बेटी प्राची घर के बाहर खेल रही थी। तभी अचानक एक आवारा कुत्ता गली से होता हुआ घर के आंगन में घुस आया और खेल रही बच्ची पर झपट पड़ा। बच्ची की चीख सुनकर मां तुरंत बाहर दौड़ी और किसी तरह कुत्ते से अपनी बेटी को छुड़ाया, लेकिन तब तक वह घायल हो चुकी थी। इसी दौरान कुत्ता घर के अंदर घुस गया और वहां चारपाई पर सो रही छह

माह की मासूम बच्ची पर हमला कर दिया। यह दृश्य इतना भयावह था कि परिजन और आसपास के लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर घर और आसपास अफरा-तफरी मच गई। महिला ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण भी दौड़कर मौके पर पहुंचे। भीड़ बढ़ने पर कुत्ता बच्ची को छोड़कर भाग गया। घटना के बाद दोनों मासूम बहनों के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों ने तुरंत दोनों बच्चियों को पाटन अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों बच्चियों को गहरे घाव आए हैं और उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मामले की जानकारी नगर प्रशासन और संबंधित विभाग को दी गई है। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर होती जा रही है और इस पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि अगासौद गांव और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से आवारा कुत्तों का झुंड घूम रहा है। कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। अब स्थिति यह हो गई है कि बच्चे घर के बाहर खेल भी नहीं पा रहे हैं और लोग शाम के समय घरों से निकलने में डर महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और गांव में नियमित निगरानी की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल इस घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है और लोग अपने बच्चों को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com